राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 9 जनवरी 2024 वर्ष–6,अंक–345 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रैलियां, रोडशो और सौगातें; चुनावी बिगुल बजने से पहले ही कैसे हर राज्य पहुंचेंगे पीएम मोदी

● लोकसभा चुनाव 2024 के ऐलान से पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी देश के सभी बड़े राज्यों का दौरा करने वाले हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, यूपी और बिहार जैसे राज्यों में वह जाएंगे। यूपी में कई दौरे हो सकते हैं।

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले भाजपा हर सीट तक पहुंचने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत खुद पीएम नरेंद्र मोदी कई राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इसके अलावा विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक की हर सीट पर कोई न कोई केंद्रीय मंत्री पहुंच रहा है। इस बीच ज्यादातर बड़े राज्यों का पीएम नरेंद्र मोदी 5 फरवरी से पहले कम से कम एक बार दौरा कर सकते हैं। तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप जैसे राज्यों में पहुंचकर पीएम नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारत से इसकी शुरुआत भी कर दी है। यही नहीं खबर है कि यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार जैसे कुछ बड़े राज्यों में तो कम से कम दो दौरे हो सकते हैं।

इसके अलावा छोटे राज्यों में भी एक-एक दौरा करने का प्लान है। बीते शुक्रवार को ही पीएम नरेंद्र मोदी ने राजस्थान का भी

दौरा किया था। वह 30 दिसंबर को यूपी के अयोध्या में रोड शो करके आ ही हैं और फिर 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचेंगे। इस बीच एकाध आयोजन और भी हो सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी ज्यादातर राज्यों में जनसभा के अलावा रोड शो भी कर सकते हैं। अकसर वह लंबे रोड शो करते रहे हैं और भाजपा के लिए यह रणनीति काफी कारगर रही है। ऐसे में एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी वह तरीका अपना सकते हैं।

चुनाव के ऐलान से पहले ही प्रचार शुरू कर देते हैं पीएम मोदी

विधानसभा के चुनावों में भी पीएम नरेंद्र मोदी की अकसर यही प्रचार शैली रही है। वह चुनाव के ऐलान से पहले ही कई दौरे

● तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप जैसे राज्यों में पहुंचकर पीएम नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारत से इसकी शुरुआत भी कर दी है। यही नहीं खबर है कि यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार जैसे कुछ बड़े राज्यों में तो कम से कम दो दौरे हो सकते हैं।

करते हैं और अहम परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन भी करते हैं। इससे चुनावी माहौल में जनता पर छाप छोड़ने में मदद मिलती है। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिनों के लिए 10 जनवरी से गुजरात दौरे पर होंगे। इस दौरान वह बाइब्रेंट गुजरात समिट में हिस्सा लेंगे। इसके बाद 12 जनवरी को उनका महाराष्ट्र जाने का प्लान है। यहां वह नवी मुंबई में मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन वह नासिक जाएंगे और वहां नेशनल यूथ फेस्टिव में रहेंगे।

जनवरी में 6 राज्यों तक जाएंगे शाह, पंजाब और कश्मीर का भी प्लान

नासिक में उनके रोडशो की भी तैयारियां हैं। यही नहीं वहां से अगले दिन यानी 13 जनवरी को वह झारखंड के धनबाद और बिहार के बेतिया में रहेंगे। इस बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और होम मिनिस्टर अमित शाह भी लगातार दौरे कर रहे हैं। हाल ही में दोनों नेता एक साथ बंगाल गए थे और वहां लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया था। अमित शाह तो जनवरी महीने में 6 राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इनमें से एक जम्मू-कश्मीर भी होगा। यहां वह 9 जनवरी को आएंगे। इसके बाद 11 को त्रिपुरा जाएंगे और फिर 12 को वह तीन दिनों की विजिट पर गुजरात पहुंचेंगे। उनका 18 जनवरी को पंजाब जाने का भी प्लान है।

घंटों का सफर मिनटों में, बढ़ेगी आवास की मांग; कितना कुछ बदल देगा देश का सबसे बड़ा समुद्री पुल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन करेंगे। इसे देश का सबसे लंबा समुद्री पुल बताया जा रहा है। मुंबई के सेवरी और रायगढ़ जिले के न्हावा शेवा क्षेत्र के बीच 21.8 किलोमीटर लंबा यह पुल है। इसके उद्घाटन के बाद यात्रा में केवल 15-20 मिनट का समय लगेगा जिसमें अभी 2 घंटे लग जाते हैं। अधिकारियों के अनुसार, एमटीएचएल मेन मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा जो राज्य के 2 सबसे बड़े शहरों को जोड़ता है। यह 6 लेन वाला पुल है। इसका 16.5 किलोमीटर लंबा हिस्सा समुद्र के ऊपर है, जबकि 5.5 किलोमीटर हिस्सा जमीन पर है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के उद्घाटन को लेकर कुछ दिनों पहले जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि पीएम मोदी 12 जनवरी को रूस्क का उद्घाटन करेंगे। इस पुल से इससे जुड़े क्षेत्रों में तेजी से आर्थिक विकास संभव हो सकेगा। एमटीएचएल मुंबई के सेवरी को नवी मुंबई के चिरले से जोड़ेगा और प्रतिदिन इससे 70,000 वाहनों की आवाजाही हो सकती है। कहा जा रहा है कि मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के उद्घाटन से आवागमन में क्रांतिकारी बदलाव आने वाला है। इससे यात्रा का समय भी बहुत कम हो जाएगा।

पनवेल में आवास की मांग में भी होगी बढ़ोतरी

कनेक्टिविटी में सुधार के साथ ही आवास की मांग में भी वृद्धि होने वाली है। खासतौर से पनवेल इलाके में संपत्तियों के मूल्यों में बढ़ोतरी होने का अनुमान है। एमटीएचएल के तैयार होने से मध्य और दक्षिण मुंबई से पनवेल तक पहुंचना काफी सुविधाजनक हो जाएगा। रूस्क को एलिवेटेड कॉरिडोर के जरिए मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। इससे मुंबई से पुणे लगातार यात्रा करने वालों को लाभ होने वाला है। यह नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से होकर भी गुजरेगा। गौरतलब है कि नवी मुंबई को अगले मुंबई 3.0 के तौर पर देखा जा रहा है। यहां पर कई सारे बड़ प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहा है।

बिलकिस बानो केस में 11 दोषियों की माफी रद्द, फिर जाना होगा जेल

नई दिल्ली। बिलकिस बानो केस में 11 दोषियों को सजा में मिलने वाली छूट को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया गया है। गुजरात सरकार द्वारा दी गई सजा में छूट को सुप्रीम कोर्ट ने ख़ारिज कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि बिलकिस बानो द्वारा 11 दोषियों की सजा की सजा को चुनौती देने वाली याचिका सुनवाई योग्य है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि 13 मई, 2022 का फैसला (जिसने गुजरात सरकार को दोषी को माफ करने पर विचार करने का निर्देश दिया था) अदालत के साथ धोखाधड़ी करके और भौतिक तथ्यों को छिपाकर प्राप्त किया गया था। बिलकिस बानो केस में सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि राज्य, जहां किसी अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है, वह दोषियों की माफी याचिका पर निर्णय लेने में सक्षम है। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि दोषियों की सजा माफी का आदेश पारित करने के लिए गुजरात राज्य सक्षम नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र सरकार सक्षम है। अगस्त 2022 में गुजरात सरकार ने बिलकिस बानो गैंगरेप केस में उम्रकैद की सजा पाए सभी 11 दोषियों को रिहा कर दिया था। दोषियों की रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद बिलकिस के दोषियों को जेल जाना होगा। 12 अक्टूबर 2023 को 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान

बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में दोषियों को रिहा करने के छूट आदेश की वैधता के सवाल पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। बता दें कि मामले में दोषी ठहराए गए 11 लोगों को पिछले साल 15 अगस्त को रिहा कर दिया गया था। गुजरात सरकार ने अपनी छूट नीति के तहत इनकी रिहाई की अनुमति दी थी। दोषियों ने जेल में 15 साल की सजा काटी थी।

मस्जिदें खाली करो, नहीं तो कितने मारे जाओगे या क्या होगा... नहीं पता: भाजपा नेता ईश्वरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और भाजपा के सीनियर नेता केएस ईश्वरप्पा के बयान पर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने मुसलमानों से ध्वस्त किए गए मंदिरों की जमीन पर बनी मस्जिदों को खाली करने के लिए कहा है। उन्होंने ऐसा न करने पर गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी भी दी। बेलगावी में ईश्वरप्पा हिंदू कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, मथुरा समेत 2 और जगहों को लेकर विचार चल रहा है। एक बार अदालत का फैसला आ जाने दीजिए। चाहे आज हो या फिर कल, हम मंदिरों के निर्माण के लिए आगे बढ़ेंगे। इसे लेकर किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। पूर्व मंत्री ईश्वरप्पा यहीं पर नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा, ऐसी जगहों पर जहां

● बेलगावी में ईश्वरप्पा हिंदू कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, मथुरा समेत 2 और जगहों को लेकर विचार चल रहा है। एक बार अदालत का फैसला आ जाने दीजिए। चाहे आज हो या फिर कल, हम मंदिरों के निर्माण के लिए आगे बढ़ेंगे। इसे लेकर किसी तरह का संदेह नहीं

मस्जिदों का निर्माण किया गया है, यह आपके लिए फायदेमंद होगा कि आप (मुसलमान) उन्हें स्वेच्छा से खाली कर दें। ऐसा नहीं करने पर नतीजे भुगतने होंगे। कितने मारे जाओगे और क्या होगा, हम यह नहीं जानते। यह पहला मौका नहीं है कि भाजपा के इस फायरब्रांड नेता के बयान पर हंगामा हुआ हो। पिछले साल दिसंबर में भी ईश्वरप्पा ने कुछ इसी तरह की बात कही थी। उन्होंने कहा कि देश में मंदिर को नष्ट करने के बाद बनाई गई एक भी मस्जिद को बख्शा नहीं जाएगा।

मंदिरों को तोड़कर बनी मस्जिदों को नहीं बख्शेंगे-ईश्वरप्पा

गडग में पत्रकारों से बात करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा था, मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदों को हम नहीं बख्शेंगे। देश में ऐसी एक भी मस्जिद नहीं टिकने वाली है। उन्होंने कहा कि यह मेरी निजी राय है। उन्होंने कहा, मैं यह प्रतिज्ञा करूंगा और कहूंगा कि भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा। बीजेपी लीडर ने कहा, 22 जनवरी को पूरी दुनिया की निगाहें अयोध्या पर होंगी। काशी विश्वनाथ मंदिर के मामले को लेकर अदालत की कार्यवाही हिंदुओं के पक्ष में है। साथ ही मथुरा में कृष्ण मंदिर के लिए सर्वे का आदेश दिया जा चुका है। सब कुछ एक के बाद एक होने वाला है।

गाजियाबाद में सड़क हादसा, बिल्डर की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस कर्मचारियों की मौत

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिला के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रविवार देररात हुए सड़क हादसे में बिल्डर निखिल चौधरी की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस कर्मचारियों की मौत हो गई। यह हादसा कनावनी पुलिया के पास हुआ। निखिल शालीमार गार्डन में रहते हैं। इसकी पुष्टि एसीपी (इंदिरापुरम) स्वतंत्र कुमार सिंह ने की। एसीपी स्वतंत्र सिंह के अनुसार निखिल चौधरी देररात इनोवा से घर लौट रहे थे। कार ड्राइवर चला रहा था। उनकी सुरक्षा में तैनात दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल जय ओम शर्मा और उत्तर प्रदेश पुलिस के कांस्टेबल जगबीर राघव भी कार में साथ थे। कनावनी पुलिया के पास इनोवा असंतुलित होकर दायीं ओर डिवाइडर और इसके बाद एक बैंक्वेट हाल के बाहर खड़ी दो कारों से टकराकर पलट गई। हादसे में दोनों पुलिस कर्मचारियों की मौत हो गई। बिल्डर और कार चालक सुरक्षित हैं।

तीन दिन के गुजरात दौरे पर पीएम मोदी, वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 से 10 जनवरी तक गुजरात का दौरा करेंगे। इस दौरान वह विश्व नेताओं, शीर्ष वैश्विक निगमों के सीईओ के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट, जिसकी परिकल्पना 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में की गई थी, आज समावेशी विकास और सतत विकास के लिए व्यापार सहयोग, ज्ञान साझा करने और रणनीतिक साझेदारी के लिए

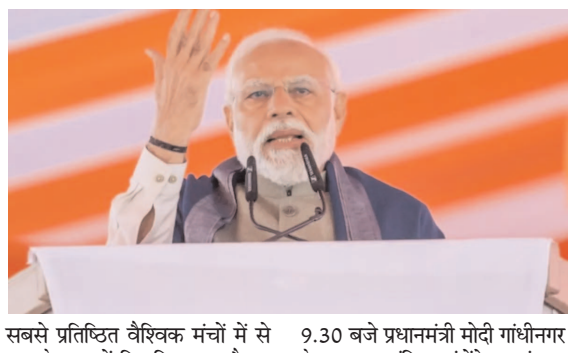

सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मंचों में से एक के रूप में विकसित हुआ है।

इन तीन दिनों में क्या-क्या करेंगे पीएम मोदी?

9 जनवरी को सुबह करीब 9.30 बजे प्रधानमंत्री मोदी गांधीनगर के महात्मा मंदिर पहुंचेंगे, जहां वह विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इसके बाद शीर्ष वैश्विक निगमों के सीईओ के साथ बैठक करेंगे। पीएमओ ने कहा कि दोपहर करीब तीन बजे वह वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड शो का उद्घाटन करेंगे। 10 जनवरी को सुबह करीब 9.45 बजे प्रधानमंत्री मोदी गांधीनगर के महात्मा मंदिर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 का उद्घाटन करेंगे।

इसके बाद वह शीर्ष वैश्विक निगमों के सीईओ के साथ बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री गिफ्ट सिटी जाएंगे, जहां शाम करीब 5.15 बजे वह ग्लोबल फिनटेक लीडरशिप फोरम में प्रमुख व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करेंगे।

10 से 12 जनवरी तक गांधीनगर में होगा समिट

बता दें कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का 10वां संस्करण 10 से 12 जनवरी, 2024 तक गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किया जा रहा है। इसकी थीम गेटवे टू द फ्यूचर है। यह संस्करण वाइब्रेंट गुजरात के 20 वर्षों को सफलता के शिखर के रूप में मनाएगा। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन के लिए 34 भागीदार देश और 16 भागीदार संगठन हैं। इसके अलावा, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए वाइब्रेंट गुजरात मंच का उपयोग करेगा।

तेजी से बिगड़ा मौसम; भारी बारिश से स्कूल बंद, भीषण ठंड में कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। नया साल अपने साथ बढ़ी हुई ठंड भी लेकर आया है। उत्तर भारत के कई इलाकों में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कोहरे और शीतलहर ने लोगों की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ा दी हैं। आईएमडी ने पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए अलग से ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रही-सही कसर बारिश ने पूरी कर दी। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी और राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में बीते दिनों हल्की से मध्यम बरसात हुई है जिससे ठिठुरन बढ़ गई है। तमिलनाडु में तो तेज बारिश के चलते स्कूलों की छुट्टियां घोषित कर दी गई। नागापट्टिनम, किलवेलूर तालुक, विलुप्पुरम और कुड्डालोर में स्कूल और कॉलेज आज बंद रहेंगे। इसके अलावा रानीपेट, वेल्लोर, कल्लाकुरिची और तिरुवन्नामलाई में स्कूलों की छुट्टी की घोषित हुई हैं। राज्य के कई इलाकों में आज मध्यम से भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने केरल और दक्षिणी कर्नाटक में भी आज हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। केवल दक्षिणी राज्य ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के भी कुछ हिस्सों में आज बदरा बरस सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी गुजरात, गोवा और लक्षद्वीप में आज बारिश के आसार हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान आज 8-9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिल्ली के कुछ इलाकों में 9 जनवरी को बारिश होने का

अनुमान है। अगर यूपी की बात करें तो वहां कोल्ड डे का सिलसिला जारी रहने वाला है। राजधानी लखनऊ में आज न्यूनतम तापमान 8-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। यूपी के भी कुछ इलाकों में मंगलवार को बरसात होने की संभावना है।

राजस्थान में शीतलहर और कोहरे की मार जारी

राजस्थान के कई हिस्सों में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। कुछ भागों में घने से बहुत घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से रविवार को उदयपुर, कोटा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। विभाग के मुताबिक, सोमवार और मंगलवार को गरज के साथ बारिश की संभावना है और इस दौरान कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी उम्मीद है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार, अलवर में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 3.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। वहीं भीलवाड़ा में न्यूनतम तापमाप 4.2 डिग्री सेल्सियस, एरिनपुरा रोड और जैसलमेर में 5 डिग्री सेल्सियस रहा।

ठंड और कोहरे की चपेट में समूचा मध्य प्रदेश

नए साल की शुरुआत से मध्य प्रदेश में ठंड और कोहरा का जो दौर प्रारंभ हुआ, वह थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान समूचा प्रदेश ठंड और कोहरे की आगोश में रहा। इससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। अगले तीन दिनों तक इससे राहत की उम्मीद नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि पिछले चौबीस घंटों के दौरान इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर और सागर संभागों के जिलों में वर्षा हुई। शिवपुरी, गुना, आशोकनगर, आगरमालवा, शाजापुर, इंदौर, देवास, पूर्वी उज्जैन, विदिशा, रायसेन, पन्ना और कटनी में घना कोहरा रहा। इसके अलावा अनेक स्थानों पर मध्यम से हल्का कोहरा रहा, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ। 8 जनवरी से पश्चिमी विक्षोभ और आ रहा, जिससे अगले तीन दिनों का बारिश और ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है। इसका सबसे अधिक असर प्रदेश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्से पर रहेगा, जिससे बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। 11 जनवरी से मौसम के साफ होने की संभावना है। इसके बाद धूप खिल सकती है, जिससे ठंड से हल्की राहत की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छह दिसंबर, 1992... कभी न भूल पाने वाले पल

डा. रमेश शर्मा

मंदिर का विषय भाजपा की सफलता का एक पक्ष अवश्य है लेकिन इन सरकारों का उस समय दोबारा न आना, इस कार्य में उस समय लाखों दक्षिण भारतीय महिलाओं और पुरुषों का योगदान तथा 2014 में बहुमत आदि कुछ ऐसे बिंदु हैं जो इसे महत्वपूर्ण मुद्दा तो बनाते हैं पर एकमात्र नहीं बल्कि विपक्ष की अदूरदर्शिता सहित अनेक कारण हैं जो मोदी नीत भाजपा को निरंतर सशक्त बना रहे हैं और यह व्यापक राष्ट्र हित में आवश्यक भी है। 1992 और 2024 की परिस्थितियां बहुत अर्थ में भिन्न हैं।

श्रीराम जन्म भूमि आंदोलन का इतिहास लगभग आठ सौ वर्ष पुराना है। यानी बाबर से भी 300 वर्ष पूर्व से अनेक राजा और रानियों ने सेना सहित तथा भक्तों ने व्यक्तिगत अथवा सामूहिक तौर पर अपने प्राण न्योछावर किए और इनकी कुल संख्या लाखों में है। अस्सी के दशक के अंतिम वर्षों में गहन चिंतन और मनन के बाद हिंदू संगठनों ने पहले विश्व हिंदू परिषद उपरांत भाजपा और विविध सहयोगियों के साथ इस धार्मिक आंदोलन को अपनाने का जोखिम पूर्ण निर्णय लिया था। पालमपुर में आयोजित बैठक में इसे विधिवत घोषित भी कर दिया गया। इस सांस्कृतिक आंदोलन का मैंने नजदीक से अध्ययन और अवलोकन करने का मन बनाया । इस विषय में शेष राजनीतिक और सामाजिक ढांचे के विरोध का आलम ऐतिहासिक और भीषण था।

इसी क्रम में मुलायम सिंह यादव के समय 1990 में कारसेवकों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी ने हिन्दू समाज को अत्यंत आक्रोशित किया जिस के कारण 1992 का दृश्य बना और संतसमाज, न्यायालय और जनसाधारण के सक्रिय योगदान से भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा । राष्ट्रीय आह्वान के परिप्रेक्ष्य में चार दिसंबर को हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) से भी सात रामभक्तों ने अयोध्या के लिए प्रस्थान किया जिनमें मेरे अतिरिक्त स्व. लश्करी राम और चमनलाल अजंता वाले भी थे। मेरी आयु 37 वर्ष थी और वीरेन्द्र जी को छोड़कर शेष लगभग साठ वर्ष के थे। शैलेन्द्र जी की बाजू लाठीचार्ज में टूट गई थी और उन्होनें प्रतिज्ञा करते हुए दाढ़ी रख ली थी कि अब यह मंदिर बनने पर ही कटेगी । इस प्रतिज्ञा के साथ ही वे इस दुनिया से विदा हुए। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए जिन्होंने मुझे इस ओर प्रेरित किया ।

अंबाला से रेलमार्ग पर पहला रोमांचक अनुभव हुआ जब टीटी ने कहा कि आप लोग अयोध्या जा रहे हो तो टिकट क्यों खरीदा है । अगले रेलवे-स्टेशन पर युवा लोग चना, पूरी, हलवा देने आए । यह क्रम बाराबंकी फैजाबाद तक सभी स्टेशनों पर देखा । हमसे पुराना पैकेट ले लिया जाता

था और ताजा नया थमा दिया जाता था। फैजाबाद में पैकेट लेकर लंगर खिलाया गया। सभी ट्रेन और अन्य वाहनों के यात्रीगणों के लिए आसपास के हजारों लोग महीने भर से ऐसी सेवा कर रहे थे ऐसी जानकारी भी मिली।

देश-विदेश से लाखों-लाख नर नारी, युवा, बृद्ध और बाल एक ही मंजिल तक पहुंचे। चेहरों पर निडरता, उत्साह और जनून स्पष्ट झलक रहे थे। शाम तक कैंप में समाचार आया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए कल यानी छह दिसंबर को कारसेवा नहीं होगी। इस पर ग्यारह दिसंबर तक रोक लगाई गई है। साथ ही बताया गया कि कल सरयू से रेत लाकर यहां तक पहुंचाया जायेगा और यही कारसेवा होगी। आग की तरह खबर फैली और पूरे कैंप में निराशापूर्ण विद्रोह के स्वर सुनाई दिये । हम जिस काम के लिए आए हैं वह होगा अन्य कोई निर्देश या सुझाव नहीं माने जायेंगे। हम बार-बार नहीं आ सकते हैं। रात भर माहौल गर्म रहा।

छह दिसंबर की सुबह अविस्मरणीय है। कुछ लोग रेत ला रहे थे। कुछ बड़ी संख्या में मंच के सामने उपस्थित होकर संबोधन सुन रहे थे। मैं और वीरेन्द्र जी हनुमानगढ़ी की तरफ आ गये जहां भारी सुरक्षा के प्रबंध थे। बैरिकेड्स के आगे दीवार और पहाड़ी के ऊपर ढांचा था। हमने सीता रसोई के और उस सारे परिसर के अंतिम दर्शन भी किए। मंच से बार-बार घोषणा सुनाई दे रही थी कि आज कारसेवा नहीं होगी। कोई भी स्वयंसेवक ढांचे की तरफ न जाए। स्वयंसेवक गणवेश में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लाठी के साथ पहरा दे रहे थे और ऊपर चढ़ने की कोशिश करने वालों को पीछे धकेल रहे थे। ढांचे के अन्दर बाहर राज्य और केन्द्रीय बलों का कड़ा पहरा था।

पचास हजार से अधिक लोग बैरिकेड्स के आसपास नारे लगा रहे थे। झुंड के झुंड पताका और ध्वजदंड के साथ बढ़ रहे थे। स्थिति बहुत तनावपूर्ण थी। डंडे और लाठियों के साथ नेताओं के भाषणों को दरकिनार कर लोग वानर सेना के समान आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। अचानक सामने ढांचे के गुंबद की ओर रस्सी फेंक कर उसे स्तंभ से बांध कर सेतु बना कर दो नवयुवक उल्टा लटक कर गुंबद के शिखर पर पहुंच गए और भगवा फहरा दिया। उन्होंने पीठ पर कुछ औजार बांधे हुए थे। मंच से घोषित किया गया कि कोई हिन्दू है तो नीचे उतर आए। स्मरण है कि साध्वी ऋतंभरा, उमा भारती और आडवाणी जी भी मंच पर थे।

इस हालत को देखते ही बैरिकेड्स के समीप का जनसमूह सैलाब की तरह आगे निकल कर ढांचे को घेरकर खड़ा हो गया । बैरिकेड्स कहां गए, सुरक्षा कहां गई कोई पता नहीं चला। विस्फारित आंखों से वे ऐतिहासिक पल देखे। आस्था का विकराल आक्रोश था। फिर क्या हुआ सभी को विदित है। तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह ने केन्द्रीय बलों को रेल या केन्द्रीय परिसरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी थी। वापसी यात्रा में रेल के दरनैजे और खिड़कयों से हाथ हिलाकर अभिवादन किया जा रहा था। न मारकाट न गोली बारी लेकिन अजीब किस्म की खामोशी का आलम था। वे भोजन के पैकेट और टीटी गायब थे। हिमाचल प्रदेश सहित चार भाजपा सरकारें गिरा दी गई थीं। मंदिर का विषय भाजपा की सफलता का एक पक्ष अवश्य है लेकिन इन सरकारों का उस समय दोबारा न आना, इस कार्य में उस समय लाखों दक्षिण भारतीय महिलाओं और पुरुषों का योगदान तथा 2014 में बहुमत आदि कुछ ऐसे बिंदु हैं जो इसे महत्वपूर्ण मुद्दा तो बनाते हैं पर एकमात्र नहीं बल्कि विपक्ष की अदूरदर्शिता सहित अनेक कारण हैं जो मोदी नीत भाजपा को निरंतर सशक्त बना रहे हैं और यह व्यापक राष्ट्र हित में आवश्यक भी है। 1992 और 2024 की परिस्थितियां बहुत अर्थ में भिन्न हैं। सांस्कृतिक आंदोलन की इस परिणिति का अनुमान तो था विश्वास नहीं होता था कि अपने जीवन काल में ऐसा देख पायेंगे। शैलेन्द्र जी जैसे अनेक सेवकों को श्रद्धा सुमन और वर्तमान समाज को नमन।

संपादकीय

दुर्भाग्यपूर्ण घटना

ईडी की टीम पर प. बंगाल में शनिवार तड़के दूसरी बार हमला किया गया जब उत्तर 24 परगना जिले में रेड़ के बाद टीम लौट रही थी। पड़ोसी दक्षिण-24 परगना जिले के संदेशखाली में शुक्रवार को भी छापेमारी करने पहुंची ईड़ी की टीम पर हमला किया गया था। टीएमसी नेता शाहजहां शेख के आवास पर छापेमारी के दौरान भीड़.ने ईड़ी की टीम के वाहनों में तोड़फोड़.की थी और इस 'हमले' में केंद्रीय एजेंसी की तीन अधिकारियों को 'गंभीर' चोटें आई। ईड़ी टीम के साथ छीनाझपटी भी की गई थी। अब कथित राशन घोटाले के सिलसिले में बनगांव नगर निकाय के पूर्व अध्यक्ष एवं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शंकर आद्या को शनिवार तड़के गिरफ्तार करके लौट रही ईड़ी की टीम पर आद्या शंकर के समर्थकों ने हमला कर दिया। आद्या और उनके परिजनों से जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी के बाद बनगांव के सिमुलटोला में उनके आवास से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि जब ईड़ी की टीम आद्या को गिरफ्तार करके लौट रही थी, तब उनके समर्थकों ने ईड़ी की टीम पर पथराव करते हुए उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और उनके वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। ईड़ी की टीम के हमराह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को हालात को काबू में करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। आद्या की गिरफ्तारी पर हंगामा करने वाले समर्थकों में टीएमसी की महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं। आद्या को राज्य सरकार में मंत्री ज्योतिप्रियो मलिक का करीबी माना जाता है, जिन्हें पिछले साल इस कथित घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। शाहजहां शेख भी मलिक का करीबी है। ईड़ी के एक ही मामले में एक के बाद एक छापे से लगता है कि जांच एजेंसी के पास कोई पक्की सूचना है, जिसे लेकर वह ताबड़तोड़. छापेमारी कर रही है, लेकिन जिस तरह से केंद्रीय एजेंसी की टीम पर हमले किए गए उससे लगता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति जर्जर हो चुकी है। कुछ लोग इसमें राजनीति भी देखरहे हैं, और उन्हें लगता है कि केंद्र में आरूढ़ भाजपा की शह पर छापेमारी की जा रही हैं, और लोक सभा चुनाव से ऐन पहले टीएमसी के कार्यकताओं का मनोबल तोड़ने के लिए इन्हें अंजाम दिया जा रहा है। बेशक, इन आरोपों में दम नहीं है क्योंकि ऐसी किसी भी कार्रवाईको राजनीतिक चश्मे से देखा जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। ईड़ी को भी छापेमारी में रेड़ मारने की मानक प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करना चाहिए वरना नाहक संदेह पैदा होते हैं।

आय का 55 फीसदी हिस्सा ईएमआई पर?

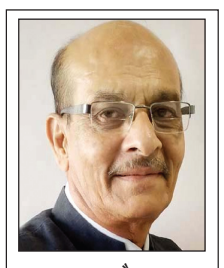

सनत जैन

उधारी पर चल रहा है परिवार का भरण पोषण सर्वे एजेंसी नाइट फ्रैंक इंडिया ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट के अनुसार महानगर मुंबई में आय का 51 फीसदी हिस्सा होम लोन की ईएमआई पर लोगों को खर्च करना पड़ रहा है। हर परिवार की आय का लगभग 55 फीसदी हिस्सा लोन की किस्तों के चुकाने पर खर्च होता है। यह रिपोर्ट महानगरों एवं बड़े शहरों में किए गए सर्वेक्षण के बाद सामने आई है। हैदराबाद में 30 फीसदी रकम हाउसिंग की ईएमआई चुकाने पर खर्च हो रही है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के ऊपर कर्ज लेकर खर्च करने की मजबूरी के कारण, आय का बड़ा हिस्सा कर्ज की ईएमआई चुकाने पर जा रहा है। पिछले दो दशक में कर्ज लेने की प्रवृत्ति बढ़ी है। हाउसिंग लोन की ईएमआई सबसे ज्यादा होती है। इसके बाद कंज्यूमर प्रोडक्ट की खरीदी भी अब कर्ज लेकर हो रही है। भारत में उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले खर्च में ईएमआई का बड़ा असर,निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों मे देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अब ईएमआई के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, यात्राओं, शिक्षा, हेल्थ केयर एवं कंज्यूमर प्रोडक्ट की खरीददारी करने की प्रवृत्ति आम लोगों में बड़ी तेजी के साथ बढी है। ईएमआई के माध्यम से कंज्यूमर प्रोडक्ट की बिक्री में सर्वाधिक तेजी देखने

को मिली है। इसमें 220 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। 2017 में वृद्धि की दर 15 फीसदी थी। जो अब बढ़कर 21 फीसदी हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन वर्षों में ऑनलाइन खरीद की प्रवृत्ति तेजी के साथ बढ़ी है। होम क्रेडिट फाइनेंस की रिपोर्ट बताती है,कि स्मार्टफोन के माध्यम से कंज्यूमर प्रोडक्ट की खरीद और बिक्री तेजी के साथ बढ़ रही है। पिछले साल की तुलना में 2023 में इसमें 44 फीसदी की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है, कि देश में ईएमआई का ट्रेंड कोविड के बाद तेजी के साथ बढा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के लोगों में मोबाइल के जरिए ऑनलाइन खरीदी, ईएमआई पर करना शुरू कर दी है। उपभोक्ताओं के पास एक मुस्त पैसा देकर खरीद करने की स्थिति खत्म हो गई है। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का आय और खर्च के बीच का संतुलन पूरी तरीके से गड़बड़ा गया है। जितनी आय उस परिवार को हो रही है। उससे ज्यादा हिस्सा ईएमआई का बोझ उस परिवार पर है। जिसके कारण जरूरी खर्च के लिए उनके पास पैसे ही नहीं बच रहे हैं। क्रेडिट कार्ड के जरिए भी खरीद करने की प्रवृत्ति तेजी के साथ बढ़ी है। 2013 में मात्र 1.87 करोड़ क्रेडिट कार्ड थे,जो 2023 में बढ़कर 9.7 करोड़ हो गए हैं। अर्थव्यवस्था में 47 फीसदी लेनदेन क्रेडिट कार्ड के माध्यम से हो रहा है। इसने भी उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। यदि समय पर किस्त नहीं जाती है, तो उपभोक्ता पर ब्याज और जुमार्ने के रूप में उसके ऊपर अतिरिक्त आर्थिक भार आता है। विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए, अध्ययनों में एक बात और सामने आई है, शादी, विवाह एवं गिफ्ट इत्यादि में निम्न एवं मध्यवर्गीय परिवारों द्वारा काफी खर्च किया जा रहा है। सर्वे में यह भी खुलासा हुआ है, कि भारत की 73 फीसदी आबादी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा मोबाइल फोन इत्यादि का भुगतान ईएमआई के माध्यम से ही करते हैं। यदि यह सुविधा नहीं मिलती है, तो इनकी बिक्री घट जाती है। ऐसी स्थिति में अब इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मोबाइल कंपनियां ग्राहकों के लिए ईएमआई की सुविधा उपलब्ध कराती हैं। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से भारतीय उपभोक्ता उधार पर अपनी जिंदगी जी रहा है। इसका दुष्प्रभाव अब दिखना शुरू हो गया है। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया की तर्ज पर, अब लोगों को नियमित जरूरत पूरी करने के लिए पैसा नहीं है। किस्तें चुकाने के बाद जो पैसा उपभोक्ता के पास बचता है। उससे वह बच्चों की फीस, खाने-पीने और परिवहन की जरूरत भी पूरी नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण प्रत्येक परिवार में तनाव बढ़ता जा रहा है। उधार की जो प्रवृत्ति पिछले 10 वर्षों में, हर परिवार तक पहुंची है। उसने पारिवारिक माहौल को तनावपूर्ण बना दिया है। जिसका असर अब व्यापक स्तर पर दिखने लगा है। ईएमआई पर सामान बेचने वाली कंपनियों द्वारा, यदि किस्त का भुगतान निर्धारित दिन और समय पर नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता पर भारी जुमार्ना और ब्याज वसूल कर रही है। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवार को पूरे महीने मुसीबत का सामना करना पड़ता है। ईएमआई की सुविधा उपलब्ध कराने वाली नॉन बैंकिंग कंपनियां जिस तरह से ईएमआई की वसूली करती हैं। उसमें गुंडागर्दी और दादागिरी का भी प्रवेश हो गया है। जिसके कारण आम लोगों का जीवन दूभर होता जा रहा है। वसूली करने का काम असामाजिक तत्वों और गुंडो के जिम्मे कंपनियों द्वारा कर दिया जाता है। मोबाइल फोन पर यह लगातार धमकियां देते हैं। घरों में जाकर उपभोक्ताओं को धमकाते हैं। जिससे लोगों का मानसिक तनाव भी बढ़ रहा है। एक्सीडेंट और आपराधिक घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। ऐसी स्थिति में उधार की अर्थव्यवस्था आगे चलकर लाखों परिवारों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। इसका एक ही उपाय है, कर्ज लेने से बचा जाए। जितनी आय हैं, उसी के अनुरूप खर्च करने की पुरानी व्यवस्था को अपनाने की जरूरत है। तभी परिवार में शांति कायम हो सकती है।

चिंतन-मनन

जीना और मरना

जिस भांति हम जीते हैं, उसे जीवन नाममात्र को ही कहा जा सकता है। हमे न जीवन का पता है; न जीवन के रहस्य का द्वार खुलता है। न जीवन के आनंद की वष्रा होती है; न हम यह जान पाते हैं कि हम क्यों जी रहे हैं, किसलिए जी रहे हैं? हमारा होना करीब-करीब न होने के बराबर होता है। किसी भांति अस्तित्व ढो लेते हैं, जीवित रहते हुए मुर्दे की भांति। लेकिन ऐसा भी होता है कि मरते क्षण में भी कोई जीवंत होता है कि उसकी मृत्यु को भी हम मृत्यु नहीं कहते। बुद्ध की मृत्यु को हम मृत्यु नहीं कह सकते हैं और अपने जीवन को हम जीवन नहीं कह पाते हैं। कृष्ण की मृत्यु को मृत्यु कहना भूल होगी। उनकी मृत्यु को हम मुक्ति कहते हैं। उनकी मृत्यु को हम जीवन से और महाजीवन में प्रवेश कहते हैं। उनकी मृत्यु के क्षण में कौन-सी प्रांति घटित होती है, जो हमारे जीवन के क्षण में भी घटित नहीं हो पाती। किस मार्ग से वे मरते हैं कि परम जीवन को पाते हैं। और किस मार्ग से हम जीते हैं कि जीवत रहते हुए भी हमें जीवन की कोई सुगंध का भी पता नहीं पड़ता है। जिसे हम शरीर कहें, वह हमारे लिए कब्र से ज्यादा नहीं है, एक चलती-फिरती कब्र। और यह लंबा विस्तार जन्म से लेकर मृत्यु तक, बस आहिस्ता-आहिस्ता मरते जाने का ही काम करता है। ऐसे रोज-रोज और मौत के करीब पहुंचते हैं। हमारी सारी यात्रा मरघट पर पूरी हो जाती है। जीने का सब कुछ निर्भर है जीने के ढंग पर और मरने का भी सब कुछ निर्भर है मरने के ढंग पर। हमें जीने का ढंग भी नहीं आता। बुद्ध जैसे व्यक्ति को मरने का ढंग भी आता है। कृष्ण ने कहा है, ।हे अजरुन, जिस काल में शरीर त्यागकर गए योगीजन, पीछे न आने वाली गति और पीछे आने वाली गति को भी प्राप्त होते हैं, उस काल को, उस मार्ग को मैं तुमसे कहूंगा। इसमें दो-तीन बातें समझ लेनी चाहिए। जिस काल में, जिस क्षण में। बड़ा मूल्य है क्षण का, बड़ा मूल्य है काल का। उस क्षण का जिसमें कोई व्यक्ति मृत्यु को उपलब्ध होता है। हमारे भीतर भी एक घड़ी है और भीतर भी क्षणों का हिसाब है। भीतरी घड़ी के उस क्षण में-बहुत कुछ निर्भर होता है। क्योंकि जगत में आकस्मिक कुछ भी नहीं है। मृत्यु भी बहुत कारणों से सुनिश्चित है और मृत्यु देखकर कहा जा सकता है कि व्यक्ति कैसे जिया। यदि भीतर की घड़ी, भीतर का समय विचार से भरा हो, वासना से भरा हो, कामना से भरा हो, तो व्यक्ति मरकर वापस लौट आता है। लेकिन भीतर का समय शुद्ध हो, कोई कामना नहीं, तृष्णा का सूत्र नहीं, शुद्ध क्षण हो तो उस क्षण में मरा हुआ व्यक्ति संसार में लौटकर नहीं आता।

वैश्विकी : ऐसे तो खत्म ही हो जाएगा रोमांच

डॉ. दिलीप चौबे

फौरी और इस्टेंट क्रिकेट ने इस खेल का रोमांच और बाजार तो बढ़ा दिया पर इसकी उस खुबसूरती पर ग्रहण लग गया जिसके कारण यह जाना जाता रहा है। हाल में भारत और दक्षिण अखिका के बीच दूसरे टेस्ट मैच का परिणाम जिस तरह डेढ़ दिन में ही निकला, उसे और पिच की स्थिति को लेकर खिलाड़ी, खेल समितियां और दर्शक, तीनों सोचने पर विवश हुए हैं कि टेस्ट क्रिकेट को कैसे बचाया जाए।

यह सवाल महज इस खेल के एक सबसे पुराने और विस्तृत फार्मेट को बचाने भर का नहीं है, बल्कि इस खेल की उस विलक्षणता और मौलिकता को बचाने का भी है, जिस कारण यह एक तरफ तो जेंटलमैन स्पोर्ट्स माना जाता रहा है, वहीं इसके मुकाबले को शारीरिक चुस्ती-फुर्ती के साथ मनोवैज्ञानिक मजबूती का श्रेष्ठ परीक्षण माना जाता रहा है। पांच दिन के खेल में बल्लेबाजों के शॉट्स, गेंदबाजों के स्विंग, कप्तान की योजनाओं के साथ खिलाड़ियों के फिटनेस की परीक्षा होती है। सदी दर सदी खेल के नये प्रारूप सामने आए लेकिन क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप की प्रासंगिकता कम नहीं हुई। इसमें कहीं दो राय नहीं कि फटाफट क्रिकेट के नाम पर शुरू हुई टी-20 और टी-10 लीगों ने खिलाड़ियों की पिच पर टिके रहने की

क्षमता को खासा प्रभावित किया है। नतीजा यह कि टेस्ट मैच के परिणाम भी अब दो-तीन दिन में आने लगे।

दरअसल, भारत और दक्षिण अखिका के बीच दूसरे टेस्ट मैच के डेढ़ दिन में निर्णायक रूप से सिमटने के साथ भारत ने सीरीज 1-1 से बराबर कराने में तो सफल रहा, लेकिन कप्तान रोहित शर्मा ने पिच को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मैच में क्या हुआ और पिच कैसा व्यवहार कर रही थी, यह हमारे सामने है। रोहित आईसीसी और मैच रेफरी का पिचों की रेटिंग के मामले में दोहरे मापदंड अपनाने से नाराज थे। उनका इशारा था कि मैच रेफरी भारतीय पिच को लेकर जिस तरह की टिप्पणी करते हैं, उस पर लगाम लगे। जाहिर है कि रोहित के निशाने पर केपटाउन की खराब पिच से ज्यादा क्रिकेट की शीर्ष संस्था की रेटिंग व्यवस्था थी।

हालांकि, इन सब चचाओं के बीच यह सवाल मौजूं है कि अगर किसी भी कारण से टेस्ट मैच दो या तीन दिन में समाप्त होने लगे तो फिर क्रिकेट का यह प्रारूप अपने लक्ष्य को हासिल कैसे करेगा? इंग्लैंड़ और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबले से 1877 में जब टेस्ट क्रिकेट का जन्म हुआ, तब क्रिकेट में लंबे प्रारूप का चलन था। 1882 में पहली बार कोई टेस्ट मैच दो दिन में समाप्त हो गया। इसकी काफी चर्चा हुई। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड़ के बीच यह मुकाबला लंदन के ओवल मैदान पर खेला गया था। इसके बाद से खेले गए 2522 टेस्ट में से 25 टेस्ट मैच दो दिन में समाप्त हुए लेकिन 147 साल के टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहली बार था जब टेस्ट मैच डेढ़ दिन में ही समाप्त हो गया। केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम की पिच पर दो टीमें चार पारियों में महज 107 ओवर ही खेल पाई। आकड़ों के आधार पर भले ही मान लिया जाए कि अब तक खेले गए टेस्ट मैचों में से एक प्रतिशत से भी कम टेस्ट दो दिन के भीतर समाप्त हुए, जो बहुत बड़ा आकड़ा नहीं है। लेकिन यह भी सच है कि इनमें से ज्यादातर टेस्ट मैचों के जल्दी समाप्त होने का कारण खराब पिच रहे।

क्रिकेट का जन्मदाता कहे जाने वाले इंग्लैंड़ में अब तक नौ टेस्ट मैच खेले गए जो दो दिन में समाप्त हो गए। द. अखिका में आठ मैच ऐसे रहे, जिनके परिणाम दो दिन में ही निकल गए। उसमें भी खराब पिच के लिए कई बार आलोचना झेल चुके लंदन के द ओवल मैदान और दक्षिण अखिका की न्यूलैंड्स की पिच दो-तीन दिन के भीतर टेस्ट मैच का फैसला करने वालों में सबसे पहले नंबर पर है। तीसरे नंबर पर क्रूसेडर्स ग्राउंड है, जो दक्षिण अखीका के पोर्ट एलिजाबेथ में स्थित है यानी दोनों देशों की ये पिच लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट के लिए विलेन हैं। फटाफट क्रिकेट आने के बाद से ऐसा जरूर हुआ है कि बल्लेबाजों ने डिफेंस से ज्यादा ताबड़तोड़ रन बनाने पर ध्यान दिया है। उनकी डिफेंसिव टेक्नीक कमजोर हुई है। श्रीलंका और वेस्टइंडीज जैसे देशों की टीम फटाफट क्रिकेट के कारण ही आज टेस्ट में कहीं नहीं ठहरती। लेकिन यह भी सच है कि क्रिकेट हमेशा से बैट और गेंद के बीच सही संतुलन का खेल रहा है। यह संतुलन बिगड़ता है तो नतीजे भी अजीबो-गरीब आने लगते हैं। जब पिच बैटरों के मुताबिक बनाई जाती है तो उस मैच में काफी रन बनते हैं, और विकेट कम गिरते हैं, नतीजतन मैच ड्रॉ रहता है। वहीं, गेंदबाजों के फेवर वाली पिच बना दी जाए तो मैच कम दिन में ही समाप्त हो जाता है, जो क्रिकेट प्रशंसकों को निराश करता है। आईसीसी और मैच रेफरियों को इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रशंसकों के लिहाज से भारत क्रिकेट का मक्का है। यहां के लोग क्रिकेट को धर्म से कम नहीं मानते। ऐसे में भारतीय पिच और विदेशी पिच की रेटिंग में दोहरा मापदंड अपनाना बेहद निंदनीय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

गुजरात और तमिलनाडु के इन्वेस्टर्स समिट में हिस्सा लेगा सिंगापुर

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंगापुर 9 से 12 जनवरी तक गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) में सहभागी देश के रूप में भाग लेगा। नई दिल्ली स्थित सिंगापुर उच्चायोग ने बयान जारी कर यह जानकारी दी है। सिंगापुर उच्चायोग ने बयान में कहा है कि सिंगापुर और उसकी कंपनियां गुजरात राज्य के साथ आर्थिक सहयोग मजबूत करेंगी। यह गुजरात की हरित अर्थव्यवस्था और स्थिरता के क्षेत्र में विस्तारित निवेश के जरिये किया जाएगा। गांधीनगर में 9 से 12 जनवरी तक आयोजित वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) के दौरान निवेश की जानकारी दी जाएगी। सिंगापुर 30 अन्य देशों के साथ वीजीजीएस में एक भागीदार देश के रूप में भाग लेगा। राज्य में मजबूत उपस्थिति के साथ सिंगापुर की कंपनियों को संचालन में मदद के लिए एक समर्पित सिंगापुर मंडप भी स्थापित किया जाएगा। एक अन्य बयान में सिंगापुर ने तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 2024 में भी अपनी भागीदारी की जानकाी दी। इसका आयोजन 7 और 8 जनवरी को चेन्नई में किया जाएगा। बयान में कहा गया है कि सिंगापुर और उसकी कंपनियां तमिलनाडु राज्य के साथ आर्थिक सहयोग को मजबूत करेंगी। यह तमिलनाडु की हरित अर्थव्यवस्था और स्थिरता क्षेत्र के साथ-साथ बुनियादी ढांचे के विकास (डेटा केंद्रों, आईटी पार्क और रसद सहित) क्षेत्र में अपना निवेश बढ़ाएगा। इन निवेशों की घोषणा 7 और 8 जनवरी को चेन्नई में आयोजित तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट (टीएनजीआईएम) के दौरान की जाएगी। सिंगापुर उच्चायोग ने बताया कि सिंगापुर आठ अन्य देशों के साथ टीएनजीआईएम में पहले भागीदार देश के रूप में भाग लेगा।

88 पैसे के शेयर को खरीदने टूटे निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड कई ऐसी कंपनियां हैं जिनके शेयर की कीमत 2 रुपये से भी कम है लेकिन वो तगड़ा मुनाफा दे रही हैं। ऐसी ही एक कंपनी-जॉनसन फार्माकेयर है। बीते शुक्रवार को इस कंपनी के शेयरों को खरीदने की लूट सी मच गई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बीएसई पर 1.05 रुपये के भाव पर बंद हुआ। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। एक दिन पहले के 88 पैसे की क्लोजिंग प्राइस के मुकाबले शेयर में 19.32 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बता दें कि मार्च 2023 में इस शेयर की कीमत 0.36 पैसे थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। शेयर ने इस साल अब तक 50 फीसदी रिटर्न दे दिया है। मतलब यह रिटर्न साल के शुरुआती पांच दिन के हैं। एक महीने का रिटर्न 85 फीसदी का रहा है। छह महीने की अवधि में शेयर ने 105.88 फीसदी रिटर्न दिया है। बता दें कि इस शेयर में प्रमोटर की जीरो हिस्सेदारी, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 100 फीसदी है। जॉनसन फार्माकेयर ने साल 2022 में बोनस शेयर और स्प्लिट का ऐलान किया। बोनस शेयर 1:10 के रेश्यो से बांटे गए। मतलब 10 पर एक बोनस शेयर दिए गए। वहीं, शेयर को 10 टुकड़ों में बांटा गया। जॉनसन फार्माकेयर सभी तरह की फार्मास्युटिकल्स के थोक और खुदरा व्यापार में लगी हुई है। यह सभी तरह की फार्मास्युटिकल्स और संबद्ध उत्पादों के केमिस्ट, ड्रगिस्ट, खरीदार, विक्रेता, एजेंट, वितरक और स्टॉकिस्ट के व्यवसाय में भी सक्रिय है। बीते शुक्रवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स दोपहर में कारोबार के दौरान थोड़ी देर फिसला। लेकिन उसके बाद इसमें तेजी से सुधार हुआ और यह अंत में 178.58 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,026.15 अंक पर बंद हुआ।

दिल्ली में कंपकंपाती ठंड और शादियों के सीजन को देखते हुए बाजारों में ड्राई फ्रूट्स की डिमांड बढ़ी, आसमान पर पहुंची ड्राई फ्रूट्स की कीमतें

बादाम 680 तो पिस्ता के 3800 रुपये प्रति किलो पहुंचे भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कंपकंपाती ठंड और शादियों के सीजन को देखते हुए बाजारों में ड्राई फ्रूट्स की डिमांड बढ़ गई है। डिमांड के हिसाब से इसकी सप्लाई कम हो रही है। इसकी वजह से करीब दो महीने में पिस्ते की कीमत दोगुनी हो गई है। व्यापारियों का दावा है कि शादियों में ज्यादातर लोग मिठाई बनवाने में पिस्ता और बादाम का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ सकती है। दिल्ली में कड़ाके की ठंड की वजह से खारी बावली में ड्राई फ्रूट्स की डिमांड हाई है। पिछले साल की तुलना में 10 से 15 फीसदी मार्केट बढ़ गया है। इंटरनेशनल फ्रूट्स एंड नट्स ऑर्गनाइजेशन के

डायरेक्टर रविंद्र मेहता बताते हैं कि ठंड के दिनों में सभी ड्राई फ्रूट्स की डिमांड बढ़ जाती है। पिछले साल की अपेक्षा इस साल मार्केट काफी अच्छा है।

कम आ रही सप्लाई

इस बार पिस्ता की नई क्रॉप काफी कम है। इसकी वजह से अफगानिस्तान से पिस्ता की सप्लाई कम आ रही है। नतीजतन, अक्टूबर में 1500 से 1700 के बीच बिकने वाले पिस्ता की कीमत जनवरी में 3300 से 3800 रुपये प्रतिकिलो हो गई है। पिछले दो महीने के अंदर बादाम की कीमत में भी प्रतिकिलो 40 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। राहत की बात यह है कि किशमिश, काजू, अंजीर और अखरोट के दाम में कोई खास बढ़ोतरी नहीं है। खारी बावली के एक व्यापारी ने बताया कि शादी का सीजन शुरू होने वाला है। इससे पहले मिठाई बनाने के लिए ड्राई फ्रूट्स का ऑर्डर आने लगा है। रेट हाई होने के चलते ज्यादातर मिठाई कारोबारी पिस्ता खरीदने में कटौती भी कर रहे हैं।

दो गुने से ज्यादा बढ़ी कीमतें

थोक मार्केट में पिस्ता 3300 से 3800 रुपये प्रति किलो, बादाम 650 से 680 रुपये प्रति किलो, काजू 600 से 650 रुपये प्रतिकिलो, अखरोट 900 से 950 रुपये प्रति किलो, अंजीर 500 से 1500 रुपये प्रति किलो और किशमिश 150 से 250 रुपये प्रति किलो है।

जज के सामने रोने लगे जेट एयरवेज के फाउंडर, बोले- ऐसी स्थिति में जीने से बेहतर है, जेल में मर जाऊं

नई दिल्ली, एजेंसी। जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल ने हाथ जोड़कर कोर्ट से कहा है कि उन्होंने लाइफ की हर उम्मीद खो दी है और ऐसे में जीने से बेहतर जेल में मर जाना है। शनिवार को मुंबई की एक स्पेशल कोर्ट में पेशी के दौरान भावुक हुए गोयल ने यह बात कही। नरेश गोयल 538 करोड़ रुपए के केनरा बैंक धोखाधड़ी मामले में जेल में हैं। ईडी ने कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में नरेश गोयल को पिछले साल 1 सितंबर को गिरफ्तार किया था। गोयल इस समय मुंबई की आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। शनिवार को हुई पेशी के दौरान गोयल की आंखों में आंसू आ गए थे। कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने कहा, मैं अपनी पत्नी अनीता को बहुत मिस करता हूं, जो कैंसर की लास्ट स्टेज में है। मैं जीवन की हर उम्मीद खो चुका हूं और ऐसी स्थिति में जीने से बेहतर है, जेल में मर जाऊं।

कोर्ट ने कही ये बात

गोयल ने कोर्ट को बताया कि उनकी हेल्थ बहुत खराब है। पेशी के दौरान वे कांप भी रहे थे। इस पर

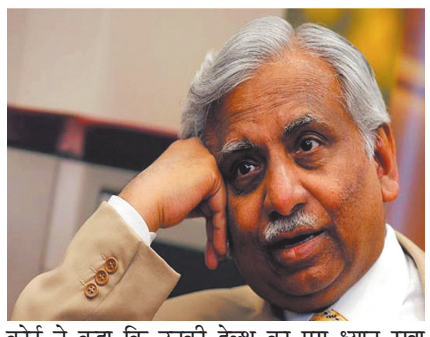

कोर्ट ने कहा कि उनकी हेल्थ का पूरा ध्यान रखा जाएगा और उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। जेट एयरवेज के फाउंडर ने स्पेशल कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। साथ ही गोयल ने जज से कुछ मिनट की व्यक्तिगत सुनवाई का अनुरोध भी किया था, जिसे जज ने मान लिया।

विशेष न्यायाधीश एम जी देशपांडे ने बताया, मैंने गोयल को ध्यान से सुना। उनका शरीर कांप रहा था। उन्हें खड़े होने के लिए मदद की जरूरत पड़ रही थी। गोयल ने बताया कि उनके घुटनों में सूजन और दर्द है, जिससे वे उन्हें मोड़ नहीं पाते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें पेशाब करते समय भी बड़ा दर्द होता है और कभी कभी इसके साथ खून भी निकलता है। गोयल ने कोर्ट को बताया कि अधिकतर बार उन्हें हेल्प नहीं मिल पाती है। जेल स्टाफ की भी मदद करने की अपनी लिमिटेशन है।

अस्पताल ना ले जाकर जेल में मरने दें

गोयल ने कोर्ट से कहा, मैं काफी कमजोर हो गया हूं और मुझे जेजे अस्पताल रेफर करने का कोई मतलब नहीं है। जेल से अस्पताल तक की यात्रा थकाऊ है, जिसे मैं सहन नहीं कर सकता। अस्पताल में मरीजों की लंबी लाइन लगी रहती है। मुझे जेजे अस्पताल नहीं भेजा जाए और जेल में ही मरने दिया जाए। गोयल का बयान सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि उनके स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाएगा और उन्हें हरसंभव मदद दी जाएगी।

कपड़ा मिल संघों ने सरकार से वित्तीय मदद की गुहार लगाई

मुंबई एजेंसी। कपड़ा मिल संघों ने गुणवत्ता नियंत्रण मुद्दों के साथ निर्यात में मंदी के कारण चल रहे संकट से निपटने में मदद के लिए सरकार से वित्तीय राहत देने की अपील की है। कपड़ा मिल संघों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से अपनी एक अपील में कहा है कि यूक्रेन-रूस संघर्ष और इजराइल-हमास युद्ध जैसे बाहरी कारकों की वजह से निर्यात, खासकर कपास पर आधारित क्षेत्र में मंदी आने से उद्योग गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा है। मिल संगठनों ने एक बयान में कहा कि वैश्विक संघर्षों के दीर्घकालिक आर्थिक प्रभाव, कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क होने और मानव-निर्मित फाइबर (एमएमएफ) के गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से संबंधित मुद्दों के कारण उनके क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। उनका क्षमता का इस्तेमाल एक साल से 50 प्रतिशत से लेकर 70 प्रतिशत तक गिर गया है। मिल संगठनों के मुताबिक, इस स्थिति ने कई कताई मिलों, खासकर छोटे एवं मझोले स्तर की मिलों को गंभीर वित्तीय तनाव में डाल दिया है, जिससे वे कर्ज चुकाने और स्थायी शुल्कों की भरपाई में असमर्थ हो गई हैं।

इलेक्ट्रिक वाहन के लिए भारत में प्लांट लगाएगी विदेशी कंपनी

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के लिए विदेशी कंपनी ने दिलचस्पी दिखाई है। दरअसल, वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मैन्युफैक्चरिंग विनफास्ट तमिलनाडु में इलेक्ट्रिक कार और बैटरी बनाने की इकाई लगाएगी। इसके लिए कंपनी दो अरब डॉलर (करीब 16,000 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। जानकारी के मुताबिक अपनी निवेश योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए विनफास्ट रविवार को शुरू होने वाली तमिलनाडु वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम) 2024 के दौरान राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करेगी।

विनफास्ट ने शनिवार को एक बयान में कहा, विनफास्ट और तमिलनाडु सरकार राज्य में परियोजना के पहले चरण के लिए 50 करोड़ डॉलर की प्रतिबद्धता के साथ कुल दो अरब डॉलर (16,000 करोड़ रुपये) के निवेश की दिशा में काम करेंगे। यह निवेश पांच वर्षों के भीतर किया जाएगा। यह कदम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े वाहन बाजार में विनफास्ट के विस्तार में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट

में कहा, विनफास्ट 16,000 करोड़ रुपये के निवेश से तूतीकोरिन में ईवी कार और बैटरी विनिर्माण इकाई स्थापित करेगी। यह महज एक निवेश नहीं है। यह दक्षिण तमिलनाडु में आर्थिक वृद्धि के लिए एक बड़ी छलांग है।

क्या है कंपनी का टारगेट

वियतनाम की फर्म के इस प्रस्ताव से लगभग 3,500 नौकरियां पैदा होने की संभावना है। विनफास्ट की तमिलनाडु परियोजना का लक्ष्य इस क्षेत्र में 1.50 लाख इकाई तक की वार्षिक उत्पादन क्षमता हासिल करना है। उत्पादन इकाई का निर्माण इस साल शुरू होने की उम्मीद है।

विनफास्ट की वैश्विक उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी (बिक्री एवं विपणन) त्रान मेई होवा ने कहा कि यह परियोजना तमिलनाडु समेत पूरे भारत में आर्थिक वृद्धि के लिए एक मजबूत नींव रखेगी। इससे हरित प्रौद्योगिकी की दिशा में तेजी भी आएगी।

टॉप 10 में से 6 कंपनियों का मार्केट कैप 57408 करोड़ घटा, दो को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 57,408.22 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 214.11 अंक या 0.29 प्रतिशत के नुकसान में रहा। एक जनवरी को सेंसेक्स 72,561.91 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था।

समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 20,929.77 करोड़ रुपए घटकर 13,67,661.93 करोड़ रुपए रह गया। सबसे अधिक नुकसान में टीसीएस ही रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,536.48 करोड़ रुपए घटकर 12,77,435.56 करोड़ रुपए

रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की बाजार हैसियत 10,114.99 करोड़ रुपए गिरकर 6,15,663.40 करोड़ रुपए रह गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 4,129.69 करोड़ रुपए घटकर 6,36,222.11 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का 1,608.05 करोड़ रुपए के नुकसान के साथ 6,97,357.42 करोड़ रुपए पर आ गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत में 89.24 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,72,826.22 करोड़ रुपए पर आ गई। इस रुख के उलट रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 14,816.85 करोड़ रुपए बढ़कर 17,63,644.77 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईटीसी का मूल्यांकन 14,409.32 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,91,219.09 करोड़ रुपए हो गया। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 8,200.55 करोड़ रुपए बढ़कर 5,88,846.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 7,020.75 करोड़ रुपए बढ़कर 5,34,082.81 करोड़ रुपए रहा।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और एलआईसी का स्थान रहा।

स्वैपडील की कंपनी का आ रहा आईपीओ, 2.98 करोड़ शेयर बेचने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वैपडील के मालिकाना हक वाले सास प्लेटफॉर्म यूनिकॉमर्स ने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए सेबी को आवेदन दिया है। इस आईपीओ में फ्रेश इश्यू नहीं हैं। वहीं, ऑफर फॉर सेल के जरिए 2.98 करोड़ शेयरों की बिक्री होगी। आपको बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक, फर्स्टक्राई और मोबिक्विक के बाद यूनिकॉमर्स ने आईपीओ के लिए सेबी के साथ एक ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दायर किया है।इस आईपीओ में 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले कुल 29,840,486 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। इसमें ऐसवेक्टर लिमिटेड (जिसे पहले स्वैपडील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के 11,459,840 इक्विटी शेयर शामिल हैं। बता दें कि एसबी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स (यूके) लिमिटेड के पास एसबी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स (यूके) लिमिटेड के साथ 2,210,406 इक्विटी शेयर हैं। हाल ही में एंकरेज कैपिटल फंड, माधुरी मधुसूदन, रिजवान कोइता और जगदीश मूरजानी, दिलीप वेलोडी और अन्य सहित निवेशकों के एक समूह ने कंपनी में शेयर हासिल किए हैं। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। वित्त वर्ष 2023 में यूनिकॉमर्स का राजस्व लगभग 53 प्रतिशत बढ़कर 90 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का प्रॉफिट 8 प्रतिशत बढ़कर 6 करोड़ रुपये हो गया। ऐसा माना जा रहा है कि यह कंपनी चालू वित्त वर्ष में 120-150 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने की राह पर है।

टीवी देखना होगा महंगा, फेवरेट चैनल देखने के लिए चुकाने होंगे ज्यादा पैसे

नई दिल्ली, एजेंसी। जी एंटरटेनमेंट, वायाकॉम 18 और सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया जैसे देश के टॉप ब्रॉडकास्टर्स ने आम लोगों को बड़ा झटका दिया है। इन तमाम ब्रॉडकास्टर्स ने बढ़ते कंटेंट खर्चों की भरपाई के लिए टीवी चैनलों की कीमतों में इजाफा कर दिया है जिससे कंज्यूमर के मंथली बिल में इजाफा हो जाएगा। नेटवर्क18 और वायाकॉम18 की इंडियाकास्ट ने अपने चैनल्स की कीमत में 20-25 फीसदी का इजाफा कर दिया है। जी ने 9-10 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है।

सोनी ने भी 10-11 फीसदी का इजाफा किया है। डिज्नी स्टार ने अभी तक अपने प्राइस का खुलासा नहीं किया है। ब्रॉडकास्टर्स ने कहा है कि नई कीमत 1 फरवरी से लागू होगी। रेगुलेशन में कहा गया है कि वे रेफरेंस इंटरकनेक्ट ऑफर (आरआईओ) के पब्लिकेशन के 30 दिन बाद नई कीमत लागू कर सकते हैं। 2024 चुनावी वर्ष होने के कारण, भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण यानी ट्राई कस्टमर्स की नाराजगी को रोकने

के लिए ब्रॉडकास्टर रेट कार्ड की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहा है।

नवंबर 2022 में ट्राई द्वारा एनटीओ 3.0 के इंप्लीमेंटेशन के बाद ब्रॉडकास्टर्स ने दूसरी बार अपनी कीमतें बढ़ाई हैं। एनटीओ 2.0 के इंप्लीमेंटेशन पर गतिरोध के कारण फरवरी 2023 से पहले टीवी चैनल की कीमतें लगभग तीन साल तक फ्रीज थीं। फरवरी 2023 में कीमतों में बढ़ोतरी ब्रॉडकास्टर्स और केबल टीवी कंपनियों के बीच विवाद के बाद हुई, जिसकी वजह से ब्रॉडकास्टर्स ने केबल टीवी ऑपरेटर्स के लिए टीवी सिग्नल बंद कर दिए। ब्रॉडकास्टर्स को अपने चैनलों के लिए ला कार्टे यानी लिस्ट और बुके दोनों कीमतों की घोषणा करने की आवश्यकता होती है लेकिन अधिकांश कंज्यूमर ऐसे बुके को पसंद करते हैं जो सस्ता हो। उद्योग के अधिकारियों का कहना है कि वायाकॉम18 की तरफ से ज्यादा इजाफा स्पोर्ट्स राइट्स में 34,000 करोड़ से अधिक के निवेश के कारण हुआ है जिसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) डिजिटल राइट्स, बीसीसीआई मीडिया राइट्स, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका मीडिया राइट्स और ओलंपिक 2024 शामिल हैं।

ब्रॉडकास्टिंग फर्म के अधिकारी ने कहा कि वायाकॉम18 बीसीसीआई के जुड़ने के कारण सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू में डबल डिजिट का ग्रोथ टारगेट बना रहा है। सोनी और जी ने महंगाई की वजह से इजाफा किया है। मीडिया रिपोर्ट में एक सूत्र के मुताबिक,डिज्नी ने अपने अभी तक प्राइस का अनाउंमेंट नहीं किया है। बीसीसीआई के मीडिया राइट्स खोने के बाद वह इस पर गहन मंथन कर रहा है। डिज्नी स्टार ने 3 बिलियन डॉलर में आईसीसी मीडिया राइट्स हासिल किए हैं और डिजिटल राइट्स बरकरार रखते हुए टीवी अधिकार जी को सब-लाइसेंस दे दिए। ज़ी को अभी भी डिज्नी स्टार के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का हिस्सा पूरा करना बाकी है, जो सब -लाइसेंसिंग डील को रोके हुए है। जानकारों की मानें तो ज़ी की बुके कीमत का आईसीसी टीवी राइट्स पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। डिज्नी स्टार की नई कीमत देखना दिलचस्प होगा क्योंकि उन्होंने बीसीसीआई राइट्स खो दिए हैं और आईसीसी टीवी राइट्स अब उनकी जिम्मेदारी हैं।

टीसीएस, इन्फोसिस के तिमाही नतीजों, वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों तथा वैश्विक रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम, रुपए-डॉलर का उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर सभी की निगाह कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के नतीजों पर रहेगी। बाजार भागीदार डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के निवेश का रुख

भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के तिमाही नतीजों की घोषणा बृहस्पतिवार को होगी। वहीं एचसीएल टेक्नोलॉजीज और विप्रो के नतीजे शुक्रवार को आएंगे।

एसबीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड के बुनियादी इक्विटी शोध प्रमुख सनी अग्रवाल ने कहा कि तीसरी तिमाही के नतीजों का सीजन जनवरी के दूसरे सप्ताह से शुरू होगा। यह शेयर बाजार को दिशा देने का एक बड़ा कारक होगा। वृहद आर्थिक मोर्चे पर दिसंबर के मुद्रास्फीति के आंकड़े और नवंबर के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद आएंगे। मास्टर कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, ''बाजार घरेलू वैश्विक वृहद आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडार, डॉलर सूचकांक के उतार-चढ़ाव और एफआईआई तथा डीआईआई की निवेश गतिविधियों पर प्रतिक्रिया देगा। नंदा ने कहा कि अमेरिकी के मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दावे के आंकड़े, चीन का महंगाई का आंकड़ा और ब्रिटेन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का आंकड़ा भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 214.11 अंक या 0.29 प्रतिशत नीचे आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 20.6 अंक या 0.09 प्रतिशत के नुकसान में रहा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि बाजार आगामी सप्ताह तिमाही नतीजों के सीजन से संकेत लेगा, जिसकी शुरुआत 11 जनवरी को टीसीएस और इन्फोसिस के साथ होगी। इसके अलावा सप्ताह के दौरान एचसीएल टेक, विप्रो और एचडीएफसी लाइफ जैसी कुछ अन्य कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी धरती पर पहली टी20 सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय टीम

नवी मुंबई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20 मुकाबले में खेलने उतरेगी। ये सीरीज अभी तक 1-1 से बराबरी पर है। ऐसे में भारतीय महिला टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर पहली बार घरेलू धरती पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज जीतना रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो मेहमान टीम की दावेदारी मजबूत नजर आती है। भारतीय टीम को आज तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में से केवल एक में ही जीत दर्ज मिली है। वहीं चार सीरीज वह हारी है। भारतीय टीम ने एकमात्र सीरीज 2015-16 में ऑस्ट्रेलिया में जीती थी। इस बार भारत ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराया था पर दूसरे मैच में उसे छह विकेट से हार झेलनी पड़ी।

भारतीय टीम के लिए इस सीरीज में हरमनप्रीत के फॉर्म को लेकर चिन्ता बनी हुई है। हरमनप्रीत सभी प्रारूपों में पिछले 10 मैच में अर्धशतक नहीं लगा पायी है। वह पिछली 11 पारियों में से सात बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंची है। दूसरे मैच में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अच्छा ऑलराउंड प्रदर्शन किया था हालांकि वह टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं रही। दीप्ति ने 27 गेंद में 31 रन बनाकर भारत को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के शुरुआती दो विकेट लेकर उसे संकट में डाल दिया था। अब दीप्ति

से तीसरे मैच में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देगी। एलिसा हीली अपनी कप्तानी में टीम को जीत दिलाकर साल की अच्छी शुरुआत करना चाहेंगी।

अब तक हुए शुरुआती दो टी20 मैचों में गेंदबाज हावी रही हैं। इससे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं मिला। ऐसे में दोनो ही टीमें के लिए ये तीसरा मैच अहम रहेगा जिसमें टॉस जीतने वाली टीम के पास अधिक अवसर रहेगा।

टीम

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, मन्नत कश्यप, सेइका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा और मीनू मणि।

ऑस्ट्रेलिया = एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, हीथर ग्राहम, एशले गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, जेस योनासेन, एलेना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पैरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहैम।

संघ को भंग नहीं किया गया है, सिर्फ गतिविधियों पर रोक: संजय सिंह

गोण्डा (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह ने सोमवार को साफ किया कि संघ को भंग नहीं किया गया है और केवल उसकी गतिविधियों पर रोक लगाई गई है। नंदनीनगर महाविद्यालय के प्रांगण में कुश्ती संघ के निर्वतमान अध्यक्ष और सांसद बृजभूषण शरण सिंह के जन्मदिन पर आयोजित युवाज्ञान शक्ति संगम समारोह में संजय सिंह ने कहा, 'संघ भंग नहीं है। केवल उसके गतिविधियों पर रोक लगायी गयी है। कुश्ती संघ स्वायत्त संस्था है, इसे भंग नहीं किया जा सकता। संघ अभी भी काम कर रहा है और करता रहेगा।' उन्होंने कहा कि वे तदर्थ समिति को नहीं मानते और भारतीय कुश्ती संघ द्वारा घोषित कुश्ती चैंपियनशिप पूर्व निर्धारित समय से होगी। इन्हीं कारणों से जूनियर खिलाड़ियों का खासा नुकसान हो रहा है। उन्होंने जंतर मंतर पर जूनियर पहलवानों के प्रदर्शन को लेकर कहा कि जब जूनियर खिलाड़ियों का नुकसान हो रहा है तो वे मजबूरन प्रदर्शन कर रहे है। पदक विजेता पहलवान साक्षी मालिक के जूनियर खिलाड़ियों के बृजभूषण सिंह के इशारे पर प्रदर्शन के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यें उनकी मर्जी है वे मनगढ़ंत आरोप मढ़ रही हैं। देश लोकतंत्र से चलता हैं न कि लाठितंत्र या धरनातंत्र से।

टी20 विश्वकप में टेस्ट नहीं खेलने वाले देशों को तीन टेस्ट क्रिकेटरों को शामिल करने की इजाजत दें : गंभीर

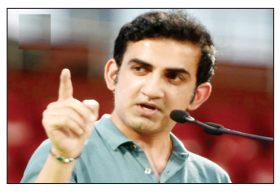

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज रहे गौतम गंभीर ने कहा है आगामीटेस्ट नहीं खेलने वाले देशों की अंतिम-11 में टेस्ट खेलने वाली टीमों के तीन खिलाड़ियों को भी जगह दी जानी चाहिये। गंभीर ने कहा कि इससे ये टीमें भी बेहतर प्रदर्शन के लायक होंगी।

गंभीर से जब टी20 विश्व कप में नीदरलैंड और आयरलैंड जैसी टीमों के प्रदर्शन को लेकर पूछा गया तो गंभीर ने कहा, मैं निश्चित रूप से इन टीमों को बढ़ते हुए देखना चाहता हूं हालांकि मेरा मानना है कि अगर आप रोमांचक और संघर्षपूर्ण प्रतियोगिता देखना चाहते हैं तो सभी छोटी टीमों को टेस्ट खेलने वाले देशों के तीन पेशेवरों के साथ मैदान पर उतरने की अनुमति दें।

साथ ही कहा कि उभरते देशों को उन खिलाड़ियों को शामिल करने की इजाजत दी जानी चाहिए जो टेस्ट खेलने वाले अपनी टीमों में जगह नहीं बना सके हैं। गंभीर ने कहा, जो खिलाड़ी आपकी विश्वकप टीम में नहीं हैं, अगर छोटे देश चाहें तो उन्हें अंतिम इलेवन में अधिकतम तीन और कम से कम एक खिलाड़ी रखने की अनुमति होनी चाहिए, जैसी भी उनकी जरूरत हो। गौरतब है कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। इसके बाद, हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर 8 चरण में प्रवेश करेंगी। गंभीर ने आईपीएल जैसे फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में विदेशी खिलाड़ियों को शामिल करने का उदाहरण भी दिया। आईपीएल में एक टीम की अंतिम इलेवन में अधिकत चार विदेशी खिलाड़ी खेल सकते हैं। साथ ही कहा कि इसी प्रकार अगर कनाडा और अमेरिका को टेस्ट खेलने वाली टीमों के तीन खिलाड़ी मिल जायें तो ये भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगी।

पूर्व क्रिकेटर ने भारतीय सेलेक्शन पर उठाए सवाल, पूछा- शिवम दुबे को मौका लेकिन ईशान किशन कहां है?

डरबन (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। एक साल बाद कप्तान रोहित शर्मा की टी20 क्रिकेट में वापसी हुई है। विराट कोहली भी वापस आए हैं। दोनों ने एक साल पहले यानी साल 2022 के नवंबर में आखिरी टी20 मैच खेला था। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 स्क्वॉड में कई बदलाव देखने को मिले हैं, कई खिलाड़ियों को आराम मिला है तो कुछ की वापसी देखने को मिली है। लेकिन इसी कड़ी में पूर्व खिलाड़ी आकाश चोपड़ा ने टीम सेलेक्टर पर सवाल उठाए हैं।

दरअसल, आकाश चोपड़ा ने ट्वीट करते हुए श्रेयस अय्यर के स्क्वॉड में नहीं होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि, श्रेयस अय्यर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए उपकप्तान के रूप में नामांकित किया गया था। दक्षिण अफ्रीका के खाफ भी टीम का हिस्सा थे, अब अफगानिस्तान के खिलाफ टीम में जगह नहीं मिली?

साथ ही आकाश चोपड़ा ने शिवम दुबे के स्क्वॉड में होने को लेकर कहा कि वह अंदर क्यों हो रहे हैं। उन्होंने लिखा कि, शिवम दुबे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम में थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ चुने नहीं गए थे। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 स्क्वॉड में उनकी वापसी?

पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने ईशान किशन के टीम में नहीं होने पर सवाल किया है। बता दें कि, ईशान किशन को साउथ अफ्रीका दौरे के लिए चुना गया था लेकिन जितेश शर्मा को प्लेइंग 11 में जगह दी गई। ईशान किशन ने अचानक साउथ अफ्रीका दौरे पर टेस्ट सीरीज से अपना नाम वापस लिया। खबरों में इसके पीछे कारण सामने आया कि वह लगातार ट्रेवल के कारण थकान महसूस कर रहे हैं और आराम करना चाहते हैं।

आकाश चोपड़ा ने ट्वीट में ईशान किशन को लेकर लिखा, इसके अलावा ईशान किशन कहां हैं? उसकी उपलब्धता पर कोई खबर?

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान) शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

सहवाग ने प्रधानमंत्री मोदी को लेकर मालदीव की विवादित टिप्पणी पर आपत्ति जतायी

नई दिल्ली। वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर समेत कई दिग्गज खिलाड़ियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मालदीव की एक मंत्री के विवादित बयान पर आपत्ति जतायी है। सहवाग ने तो मालदीव के मंत्री के विवादित बयान को भारत के लिए

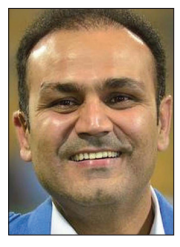

अवसर भी करार दिया है। सहवाग ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'चाहे उडुपी के खूबसूरत तट हों या पोंडी के पैराडाइज बीच, अंडमान के नील और हैवलॉक। हमारे देश में कई ऐसे सुंदर तट और जगह हैं, जहां पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं हैं हालांकि अभी तक इनपर ठीक से ध्यान नहीं दिया गया है।' सहवाग ने इसके आगे लिखा, 'भारत सभी आपदाओं को अवसर में बदलने के लिए जाना जाता है। मालदीव के मंत्रियों द्वारा हमारे देश और प्रधानमंत्री पर किया व्यंग्य भारत के लिए एक प्रकार का अवसर है जिससे कि वह ऐसे तटों या जगहों पर बुनियादी विकास पर ध्यान देकर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करे, इससे हमारी अर्थव्यवस्था भी बेहतर होगी।' सहवाग ने अंत में प्रशंसकों से एक सवाल भी किया। उन्होंने पूछा, 'कृपया अपने पसंदीदा अज्ञात खूबसूरत स्थानों के नाम बताएं।' इससे पहले मालदीव की एक मंत्री मरियम शिउना ने पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसके लिए वहां की सरकार ने उन्हें निलंबित भी कर दिया था।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे शमी

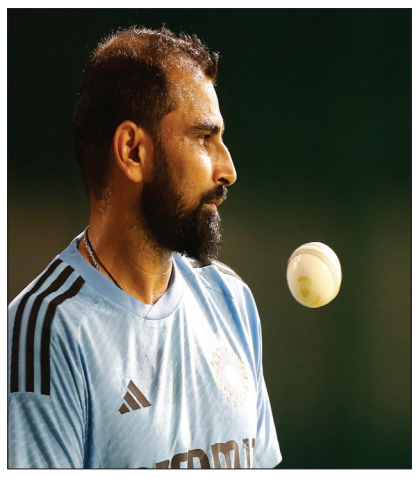

मुम्बई। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिट नहीं होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर रहेंगे। इसका कारण ये है कि शमी अभी तक अपने टखने की चोट से नहीं उबरे हैं। इसी कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से भी बाहर हो गए थे। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में जबकि दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया, शमी ने अभी तक गेंदबाजी करना भी शुरू नहीं किया है, उन्हें पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जाकर अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। इसी कारण इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में उनका खेलना संभव नहीं दिख रहा है। शमी को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया था पर बीसीसीआई की मेडिकल टीम के अनुमति नहीं दिये जाने के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। अब इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट के लिए शमी की जगह शार्दुल ठाकुर या मुकेश कुमार को दिए जाने की संभावना है, जबकि तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज करेंगे।

स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के लिए जर्मनी जायेंगे सूर्यकुमार, आईपीएल के शुरुआती सत्र से बाहर रहेंगे

-अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज भी नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के लिए जर्मनी जाएंगे। इसी कारण सूर्यकुमार अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से भी बाहर रहेंगे। इसके अलावा वह घरेलू सत्र और आईपीएल के शुरुआती मैचों में भी नहीं खेल पायेंगे। सूर्यकुमार को हाल ही में स्पोर्ट्स हर्निया से प्रभावित होने की बात पता चली। अभी वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में आराम कर रहे हैं। बीसीसीआई के अनुसार, सूर्यकुमार को हाल ही में स्पोर्ट्स हर्निया का पता चला है। इसी कारण वह अभी बेंगलुरु में एनसीए में आराम कर रहे हैं। दो-तीन दिन में वह इसकी सर्जर के लिए जर्मनी जाएंगे। इससे साफ है कि वह निश्चित रूप से रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से नहीं खेल पाएंगे और इसके अलावा आईपीएल में मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैचों से भी बाहर रहेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले साल 2022 में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को भी स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के लिए जर्मनी जाना पड़ा था। राहुल भी अब चोट के कारण कुछ महीनों के लिए खेल से बाहर थे। बोर्ड की ओर से एक अधिककारी ने कहा, जून में टी20 विश्व कप को देखते हुए सूर्यकुमार को ठीक होने के लिए पूरा समय दिया जाएगा। वह टी20 विश्व कप में भारत की संभावनाओं को देखते हुए बेहद अहम खिलाडी हैं।

स्पोर्ट्स हर्निया कमर का मतलब निचले पेट के क्षेत्र में आपकी मांसपेशी, लिगामेंट या टेंडन का टियर या मोच आना है। स्पोर्ट्स हर्निया उन लोगों को अधिक होता है जा खिलाड़ी होते हैं। इसके बाद भी स्पोर्ट्स हर्निया में कोई वास्तविक हर्निया शामिल नहीं है।

नडाल इस बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में नजर नहीं आयेंगे

नई दिल्ली। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल इस बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नजर नहीं आयेंगे। नडाल ने ये फैसला फिट नहीं होने के कारण लिया है। वह पिछले सप्ताह ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के दौरान मांसपेशियों में लगी चोट से अब तक नहीं उबर पाये हैं। नडाल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि वह सत्र के पहले ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हैं और इलाज के लिए घर वापस जा रहे हैं। नडाल ने ट्वीट किया, सभी को हेलो, ब्रिस्बेन में मैच के दौरान मेरी मांसपेशियों में एक छोटी सी समस्या थी, जैसा कि आप जानते हैं कि मैं चिंतित था। एक बार जब मैं मेलबर्न पहुंचा तो मुझे एमआरआई कराने का अवसर मिला जिसमें मेरी मांसपेशियों में माइक्रो टियर पाया गया हालांकि ये उस हिस्से में नहीं था जहां मुझे चोट लगी थी। साथ ही कहा कि मैं अभी पांच सेटों के मैचों में खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। मैं अपने डॉक्टर को दिखाने और आराम करने के लिए ही स्वदेश जा रहा हूं। पिछले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में कूल्हे की चोट के कारण वह करीब एक साल तक बाहर रहे थे। इसके बाद उन्होंने ब्रिस्बेन से वापसी की। इस खिलाड़ी ने ब्रिस्बेन में शानदार प्रदर्शन करते हुए डोमिनिक थिएम और जेसन कुब्लर जैसे खिलाड़ियों को हराया था हालांकि उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी ने प्रतिबंध हटाने वाली ख्वाजा की अपील को ठुकराया

मेलबर्न (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा को करारा झटका दिया है। आईसीसी ने आर्मबैंड (काली पट्टी) पहनने के कारण ख्वाजा पर लगाये लगे प्रतिबंध को हटाने की अपील ठुकरा दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार ख्वाजा ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ हुई तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट के दौरान गाजा में हिंसा में फंसे फलस्तीनी लोगों के समर्थन में काली पट्टी बांधी थी जिसके कारण आईसीसी ने उन्हें तब फटकार भी लगाई थी क्योंकि उन्होंने इसके लिए आईसीसी से अनुमति नहीं ली थी। इसके बाद उन्होंने प्रतिबंध हटाने की अपील की थी जिसे आईसीसी ने मानने से इंकार कर दिया है।

आईसीसी के नियमों के तहत क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान किसी तरह के राजनीतिक, धार्मिक या नस्लवादी संदेश को प्रदर्शित नहीं किया जा सकता। खिलाड़ी पूर्व खिलाड़ियों, परिजनों या किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के निधन पर पहले से अनुमति लेकर काली पट्टी बांध सकते हैं। आईसीसी के प्रवक्ता ने तब कहा था ,'' ख्वाजा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आईसीसी से अनुमति लिए बिना पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में बांह पर काली पट्टी बांधी थी। यह अन्य उल्लंघन श्रेणी में आता है और पहला अपराध होने पर उन्हें फटकार लगाई गई है।''

इस क्रिकेटर ने कहा कि आईसीसी ने पर्थ टेस्ट के दूसरे दिन मुझसे पूछा था कि काली पट्टी क्यों बांधी है तब मैंने कहा था कि यह निजी शोक के कारण है। मैंने इसके अलावा कुछ नहीं कहा था।

उन्होंने कहा ,'' मैं आईसीसी और उसके नियमों का सम्मान करता हूं। मैं इस फैसले को चुनौती दूंगा। आर्मबैंड को लेकर फटकार का कोई मतलब नहीं है।'' उन्होंने कहा कि जब वह अभ्यास सत्र के लिए आये तो उनका कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं था। वह केवल मानवता के नाते फिलिस्तीनियों का मामला उठा रहे थे।

वरुण तोमर और ईशा ने एशियाई निशानेबाजी क्वालीफायर में 10 मीटर स्वर्ण के साथ ओलंपिक कोटा हासिल किया

मुंबई (एजेंसी)। भारत के युवा निशानेबाजों वरूण तोमर और ईशा सिंह ने सोमवार को यहां एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर की क्रमशः पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दो ओलंपिक कोटा हासिल किए। इन दोनों के ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के साथ भारत के निशानेबाजों ने पेरिस खेलों के 15 कोटा हासिल कर लिए हैं और इसके साथ ही तोक्यो खेलों में सबसे अधिक निशानेबाज उतारने के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी कर ली।

भारतीय निशानेबाजों के पास बाकी क्वालीफायर स्पर्धाओं के जरिए भी इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले खेलों में जगह बनाने का मौका होगा। भारत ने इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पहले दिन दो टीम स्वर्ण सहित कुल छह पदक के साथ अपने अभियान का आगाज किया। बीस साल के तोमर ने फाइनल में 239.6 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि उनके हमवतन अर्जुन चीमा ने 237.3 अंक के साथ रजत पदक जीता।

मंगोलिया के देवाखु एंखताइवान (217.2) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले तोमर (586), अर्जुन (579) और उज्जवल मलिक(575) की भारतीय टीम कुल 1740 अंक के साथ टीम स्पर्धा में शीर्ष पर रही थी। ईरान और कोरिया ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में 18 साल की ईशा ने फाइनल में 243.1 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। पाकिस्तान की किशमाला तलत (236.3) ने रजत जबकि ईशा की हमवतन रिदम सांगवान (214.5) ने कांस्य पदक जीता। ईशा, रिदम और सुरभि राव की भारतीय तिकड़ी ने कुल 1736 अंक के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी जीता। ईशा 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम और 25 मीटर पिस्टल टीम के साथ विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पेरिस ओलंपिक के लिए कुल 16 कोटा स्थान दांव पर लगे हैं। पुरुषों और महिलाओं के लिए 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में चार कोटा हैं जिसमें से अधिकतम तीन भारतीय निशानेबाजों को मिल सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 26 देशों के लगभग 385 निशानेबाज पेरिस कोटा हासिल करने के अलावा 256 पदक (84 स्वर्ण, 84 रजत और 88 कांस्य पदक) जीतने

के लिए जकार्ता की सेनायन निशानेबाजी रेंज में चुनौती पेश करेंगे। भारत इस प्रतियोगिता से पहले राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं में 13 ओलंपिक कोटा स्थान हासिल कर चुका है।

ओडिशा जगरनॉट्स अल्टीमेट खो खो सत्र 2 में पहले स्थान पर पहुंची

कटक। ओडिशा जगरनॉट्स यहां जारी अल्टीमेट खो खो की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। ओडिशा जगरनॉट्स ने सत्र 2 के एक अहम मुकाबले में तेलुगू योद्धाओं को 35-27 से हराया। ओडिशा की ओर से दिलीप खांडवी, ओंकार सोनवणे और अविनाश देसाई सभी ने छह-छह आक्रमण अंक हासिल किये। इससे ओडिशा टीम मैच पर हावी रही। ओडिशा ने दिलीप खांडवी, गौतम एमके और निखिल सोडाय के अपने पहले बैच के साथ पिच पर तीन मिनट और 32 सेकंड तक जमे रहने और तीन ड्रीम रन अंक हासिल करने के साथ ही टर्न 1 की अच्छी शुरुआत की। फिर रोहन सिंगाडे ने तेलुगू योद्धा के आक्रमण का विफल कर दिया। इस प्रकार टीम ने अजेय रहकर एक ड्रीम रन अंक हासिल किया। टर्न 1 के अंत में तेलुगू योद्धाओं की बढ़त केवल सात अंक थी। ओडिशा ने तेलुगू योद्धाओं के आक्रमण को विफल करते हुए पहले बैच को एक मिनट और 37 सेकंड में वापस भेज दिया। उनके दूसरे बैच ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया और एक मिनट और 48 सेकंड तक मैट पर रहे। बैच 3 ड्रीम रन पॉइंट के पंद्रह सेकंड के भीतर आ गया पर इससे गति में कोई बदलाव नहीं आया। ओडिशा जगरनॉट्स ने दूसरी पारी में 23-10 की मजबूत बढ़त के साथ शुरुआत की। टर्न 3 में तेलुगू योद्धाओं के लिए हालात नहीं बदले। ओडिशा जगरनॉट्स का ओमकार सोनवणे, दीपेश मोरे और निखिल बी का पहला बैच मैट पर तीन मिनट और 57 सेकंड तक चला और दो ड्रीम रन अंक हासिल किए। उनका दूसरा बैच अधिक समय तक नहीं टिक सका लेकिन उनके तीसरे बैच के दो सदस्य अजेय रहे और ओडिशा जगरनॉट्स ने अंतिम मोड़ तक 25-24 की बढ़त बना ली। उनके हमलावरों को मैच ख़त्म करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए फैशन ट्रेंड के लिहाज से आज बाजार में छाई हुई हैं डिजाइनर साड़ियां। बात यदि साड़ी को अपना स्टाइल स्टेटमेंट बनाने की हो तो आप इन्हें चुन सकती हैं। डिजाइनर साड़ियां वेडिंग या पार्टी के लिए सबसे अच्छा विकल्प साबित होंगी। इससे भी एक कदम आगे की बात करें तो आप अपनी रचनात्मकता का इस्तेमाल कर खुद भी अपने लिए डिजाइनर साड़ी तैयार कर सकती हैं। यह ट्रेंड भी आजकल फैशन में छाया हुआ है। मानसून ने आमद दे दी है पर झमाझम बारिश का इंतजार है। शादी का मौसम चल रहा है।

फैशन, खुद क्रिएट करें डिजाइनर साड़ी

यदि आप बाजार में चल रहे नए ट्रेंड पर नजर रखें हुए हैं तो साड़ी डिजाइन करना आपके लिए और आसान होगा। जैसे कि आप ब्रोकेड फेब्रिक को जूट सिल्क के साथ मिक्स कर साड़ी बना सकती हैं और इस साड़ी केसाथ ब्रोकेड का ब्लाउज साड़ी की खूबसूरती में चार चांद लगा देगा। इसी तरह आप ऑर्गेंजा, कोटा ब्रोकेड और टसर सिल्क को साड़ी के बेस के रूप में इस्तेमाल कर उस पर फेब्रिक पेंटिंग, म्युरल स्टाइल पेंटिंग और मिरर वर्क, बीडवर्क कर सकती हैं। पेंटिंग से साड़ी की खूबसूरती और बढ़ जाएगी। साधारण सिंथेटिक साड़ी को सेल्फ एम्ब्राइडरी और प्लेन मटेरियल के साथ जोड़कर अपनी साड़ी को यूनिक बना सकती हैं।

पुरानी कशीदाकारी या वर्क वाली साड़ियों को नया रूप देकर फिर इस्तेमाल करना भी इन दिनों चलन में हैं। आप चाहें तो किसी पुरानी साड़ी के वर्क को नई पर भी स्थानांतरित कर सकती हैं। छोटी बूटियों से लेकर हैवी बॉर्डर तक को आप फिर से प्रयोग में ला सकती हैं।

साड़ी बनाने के लिए प्लेन फेब्रिक लेकर उसे मनचाहे कलर में रंगवाकर उस पर पेंटिंग या ब्लॉक प्रिंट करवाने जैसा विकल्प भी आपके लिए खुला है। यदि आप साड़ी को थोड़ा हैवी लुक देना चाहती हैं तो उस पर सिक्वेंस वर्क या मशीन एम्ब्राइडरी भी करवाई जा सकती है। क्रेप, टसर, चंदेरी और कोटा डोरिया की साड़ी के साथ क्रोशिया की लेस लगाकर भी नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

इस तरह घर पर तैयार की गई साड़ियां खूबसूरत तो लगेंगी ही, साथ ही आपके बजट में भी आसानी आ जाएंगी। साड़ियां डिजाइन करते समय फेब्रिक और कलर का विशेष ध्यान रखें। इन डिजाइनर साड़ियों के ब्लाउज के साथ भी नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

स्टैंड कॉलर से लेकर फुल स्वीव्ज, नेट और शिफॉन की स्लीव्ज के ब्लाउज इन साड़ियों के साथ बहुत फबेंगे। साड़ियां डिजाइन करना आपके लिए एक तरह की क्रिएटिव थैरेपी भी होगी। तो आज ही शुरू कर दीजिए ये क्रिएटिव काम।

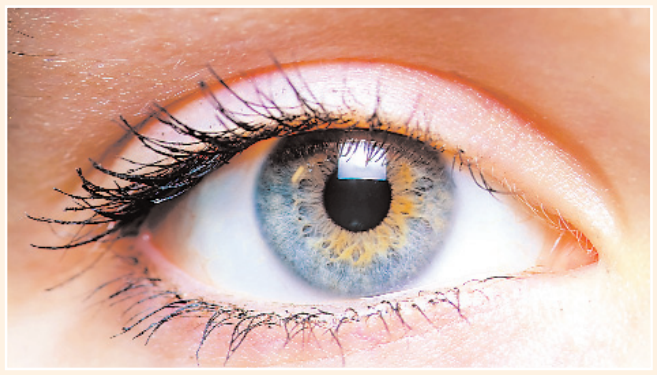

खूबसूरत आंखों को बचाएं डार्क सर्कल से

मौसम बारिश का चल रहा पर अब भी गर्मा अपने शबाव पर है। बदलती जीवनशैली के चलते आंखों के ईद-गिर्द डार्क सर्कल होना आम समस्या हो गई है। डार्क सर्कल चेहरे की खूबसूरती तो कम करते ही है साथ ही उम्र बढ़ने के साथ गहराते चले जाते हैं, इसलिए बेहतर है कि आप समय रहते ही अपनी आंखों की देखभाल शुरू कर दें। स्वस्थ तथा पौष्टिक भोजन, व्यायाम तथा अच्छी नींद इसके लिए सबसे अच्छा तरीका हैं। मेकअप से आप पार्टी में कुछ समय के लिए अपने डार्क सर्कल छुपा सकती हैं पर यदि आप चाहती हैं कि आपके डार्क सर्कल पूरी तरह ठीक हो जाए तो उसके लिए जीवनशैली में भी कुछ बदलाव करने होंगे।

अपनाएं ये उपाय

☞यदि आप चाहती हैं कि पार्टी में डार्क सर्कल आपके चेहरे की चमक फीकी न करें तो यलो टोन कंसीलर आंखों के नीचे और पलकों पर लगाएं। कंसीलर लगाने के बाद आंखों का मेकअप करें। इससे आपकी आंखों के डार्क सर्कल कुछ समय के लिए तो नजर नहीं आएंगे।

☞नींद की कमी भी डार्क सर्कल होने का एक प्रमुख कारण है। अत- रात के समय सात से आठ घंटे की पर्याप्त नींद लें। भरपूर नींद लेने से आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगी और आपकी आंखों की खूबसूरती भी बरकरार रहेगी।

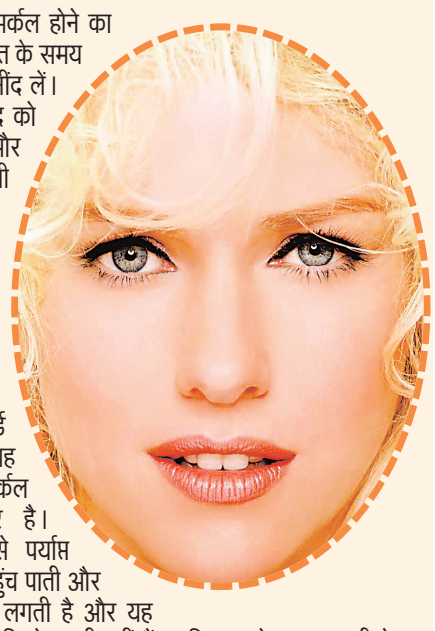

☞कई बार किसी चीज की एलर्जी के कारण भी डार्क सर्कल हो जाते हैं। इस कंडीशन में आप डॉक्टर से कंसल्ट करें।

☞यदि आप रात को सोते समय धूम्रपान करने या हार्ड ड्रिंक्स लेने के आदि हैं तब यह आदत भी आपके डार्क सर्कल बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। दरअसल निकोटिन लेने से पर्याप्त ऑक्सीजन त्वचा तक नहीं पहुंच पाती और त्वचा संबंधी बीमारियां बढ़ने लगती है और यह दोनों ही आदते स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छी नहीं हैं इसलिए इनसे दूर रहना ही बेहतर है।

☞डिहाइड्रेशन की वजह से भी आंखों के नीचे डार्क सर्कल होने लगते हैं अत- शरीर में पानी की कमी न होने दें और दिनभर में आठ गिलास पानी जरूर पीएं।

☞डार्क सर्कल दूर करने के लिए अपने भोजन में पोषक तत्व शाकिल करें। विटामिन-के और विटामिन-ई से भरपूर सब्जियों, फलों और खाद्य पदार्थों को अपने भोजन में प्राथमिकता दें।

मसालेदार शामी कबाब

सामग्री

500 ग्राम कीमा किया हुआ मटन, 2 अंडे, बारीक कटा हुआ एक प्याज, बारीक कटी हुई 5 हरी मिर्च, 100 ग्राम चने (रात भर भिगोए हुए), लहसुन की 10 कली, एक छोटा चम्मच जीरा, 4 इलायची, एक बड़ा टुकड़ा दालचीनी, एक बड़ा टुकड़ा अदरक,) 6 काली मिर्च, 4 लाल मिर्च, स्वादानुसार नमक और तलने के लिए घी।

बनाने की विधि

तीन कप पानी और एक छोटा चम्मच नमक डालकर मटन को तब तक उबालें जब तक कि पानी सोख न लें और मटन नर्म हो जाए। अब इस उबले हुए मटन को पीसकर पेस्ट बना लें। अब अदरक, लहसुन, जीरा, इलायची, दालचीनी, भिगोए हुए चने, लाल मिर्च, काली मिर्च को पीस कर पेस्ट बना लें। इन दोनों पेस्ट को अच्छे से मिक्स करें और इसमें अंडे व स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छे से गूंथ लें। अंत में इसमें बारीक कटा प्याज और हरी मिर्च मिलाएं। अब इस गूंथे हुए पेस्ट से गोल और चपटे आकार के कबाब बनाएं। एक पैन में घी गर्म करें और इन कबाबों को सुनहरा भूरा होने तक तलें। तलने के बाद सॉस या चटनी के साथ गरमा-गरम परोसें।

पनीर टिक्की विद बर्गर

सामग्री

150 ग्राम पनीर, 2 हरी मिर्च, 1 प्याज, आधा चम्मच चाट मसाला, 1 चम्मच भूना मैदा, 2 बड़े चम्मच तेल, 1 बर्गर, हरा धनिया (कटा हुआ), नमक स्वाद के हिसाब से।

बनाने की विधि

सर्वप्रथम पनीर को कद्दूकस कर लें। उसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, धनिया, नमक, चाट मसाला और मैदा मिलाकर टिकिया बना लें।

अब इन टिकिया को तल लें। तत्पश्चात बर्गर को बीच में से काटकर उल्टा करके सेंक लें। बर्गर में टिक्की लगाकर टोमॅटो कैचअप और हरी चटनी के साथ घर आए मेहमानों को पेश करें।

कीजिए अपने किचन का कायाकल्प

जरा याद कीजिए वह दौर जब घर की महिलाओं का अधिकांश समय किचन में चूल्हा फूंकते-फूंकते ही गुजरता था। मसाला, अनाज आदि वस्तुएं भी घर में घट्टी पर या फिर सिलबट्टे पर पीसकर उपयोग में लाई जाती थीं। सब्जी, फल जैसी वस्तुओं को स्टोर करके रखने की कोई व्यवस्था नहीं थी। धीरे-धीरे बदलाव का दौर प्रारंभ हुआ। घर के दूसरे कमरों के साथ-साथ किचन पर भी ध्यान दिया जाने लगा और शुरूआत हुई मिट्टी के चूल्हों के स्थान पर गैस स्टोव्ह से। इसके आने के बाद तो कुकिंग का पूरा स्टाइल ही बदल गया। यानी सीटिंग की जगह स्टैंडिंग हो गया किचन। यह थी आधुनिक किचन कंसेप्ट की शुरूआत। वर्तमान में किचन की दुनिया आधुनिकता के रंग में रंगी हुई स्पष्ट नजर आती है। एक तो किचन अप्लायंसेस की बाढ़ आई हुई है, दूसरे आज इसके लुक और ट्रेंड पर ग्लोबल दुनिया का असर भी पड़ा है।

कहते हैं खाना बनाते समय माहौल का खुशनुमा होना आवश्यक होता है और इस कंसेप्ट पर आजकल के मॉडर्न किचन पूरी तरह से फिट बैठते हैं। मॉडर्न किचन को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इसमें काम करना और सामान रखना ज्यादा सुविधाजनक हो।

इनमें किचन रैक, केबिनेट वर्क टॉप, नॉब्स, चिमनी, एक्जॉस्ट फैन, डिशवॉशर सबकुछ शामिल हैं। जिन्हें आप अपनी जरूरत और एरिया के अनुसार अदल-बदल कर सकती हैं। इस किचन का प्रत्येक सेट विविध मटेरियल और रंगों में उपलब्ध होता है।

इसकी खासियत यह है कि इसमें स्टोरेज-स्पेस, इज़ी टू यूज़ और मेंटेनेंस जैसी बातों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। पिछले दिनों एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी ने किचन की लेटेस्ट तकनीक को भारत में लांच किया, इसकी खासियत है मैट लेक्योर ग्लास फिनिश वाले काउंटर टॉप। जिस पर कटिंग और चॉपिंग भी की जा सकती है, इस पर निशान नहीं पड़ते हैं और गर्म बर्तन भी रखे जा सकते हैं।

इनके केबिनट डस्टप्रूफ होते हैं और इनमें इंटीरियर लाइटनिंग की सुविधा भी है। साथ ही ये ज्यादा स्पेशियस भी हैं। बस ऑर्डर करके फिट करवाए जा सकते हैं। यदि आप मॉड्यूलर किचन नहीं लगवाना चाहती हैं तो भी चिंता की कोई बात नहीं। थोड़ी-सी सूझबूझ और मेहनत से कम खर्च में ही अपने किचन को आधुनिक बनाया जा सकता है। देखें किस तरह

➲ किचन में अगर स्टोरेज की सही व्यवस्था हो तो किचन का इंटीरियर खिलकर सामने आता है। एरिया और अपनी आवश्यकता के अनुसार किचन में दीवारों के अंदर बिल्ट इन स्टोरेज बनवा लें। इन केबिनेट में शेल्फ, ड्रॉर और पुल आउट हो तो इनके अंदर काफी सामान रखा जा सकता है, साथ ही ये सुविधाजनक भी होते हैं।

- लकड़ी की ऐसी वॉल यूनिट बनवाएं या खरीदें जिसमें क्रॉकरी आदि रखी जा सके। इसे और सुंदर बनाने के लिए डेकोरेटिव हैंडल लगवा लें।

➲ किचन चिमनी को गैस या कुकिंग टॉप पर लगवा लें। ये किचन में फैलने वाले धुएं से खराब होने वाली दीवारों को भी साफ रखती है।

➲ स्टोरेज के लिए कंटेनर और ग्लॉस जार का उपयोग करें। सुंदर और डिजाइनर रंग-बिरंगे कंटेनर और जार से आपका किचन सुंदर और व्यवस्थित नजर आएगा।

➲ गैस बर्नर, वॉटर प्यूरीफायर, ब्लैंडर, चॉपिंग बोर्ड, फ्रूट बास्केट, नाइफ स्टैंड, माइक्रोवेव, डिजाइनर डस्टबीन, इंडक्शन हॉट प्लेट, डेकोरेटिव पेंटिंग के उपयोग से भी किचन को मॉर्डन और कलात्मक लुक दिया जा सकता है।

➲ अब बारी आती है किचन की दीवारों के रंगों की। साफ, हल्के और खुले रंगों के साथ किचन का इंटीरियर बदला जा सकता है। बाजार में ऐसे भी पेंट उपलब्ध हैं जो नैनो तकनीक पर आधारित हैं। ये दीवारों को नया लुक तो देते ही हैं, साथ ही इन्हें माइक्रोऑर्गेनिज्म से प्रतिरोधी बनाने में भी सहायता करते हैं। किचन में स्वच्छता और हाईजीन का होना भी बहुत जरूरी होता है, इसलिए इनसे बैक्टिरिया और वायरस पर नियंत्रण किया जा सकता है। इन तरीकों को अपनाकर आप भी अपने किचन को रेनोवेट कर मॉर्डन रूप दे सकती हैं। जब जमाना बदल रहा है तो फिर आपका किचन क्यों नहीं? तो फिर देर किस बात की, कर डालिए किचन का कायाकल्प...।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में पोलियो टीम पर आंतकी हमला, 6 जवानों की मौत

इस्लामाबाद । आतंकवाद को पनाह देने वाला पाकिस्तान आज खुद भी आतंकी हमलों से परेशान है। आए दिन पुलिस, सेना और आम नागरिकों पर आतंकवादी हमला कर रहे हैं। उत्तरपश्चिम पाकिस्तान में एक पुलिस वाहन पर हमला हो गया जिसमें करीब 6 जवान मारे गए। इस वाहन में पुलिस एंटी पोलियो ड्रॉप पिलाने के लिए जा रही थी। हमले में कम से कम एक दर्जन लोग घायल भी हुए हैं। पाकिस्तानी तालिबान ने हमले की जिम्मेदारी ले ली है। रिपोर्ट्स के मुतबिक कुछ घायल अधिकारियों की हालत गंभीर है। उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बता दें कि पाकिस्तान में अक्सर एंटी पोलिय अभियान पर हमले होते ही रहते हैं। इस्लामिक आतंकवादी अक्सर पोलियो टीम को निशाना बनाते हैं। उनका कहना है कि यह वैक्सीन लोगों को नपुंसक बना देती है। उनका कहना है कि इस्लाम के दुश्मन इस वैक्सीन का इस्तेमाल करवा रहे हैं, ताकि उनकी आबादी कम हो जाए। पाकिस्तानी तालिबान ने हमले कि जिम्मेदारी ले ली है। बता दें कि इस साल पहली बार पाकिस्तानी प्रशासन ने पोलियो अभियान शुरू किया था। हमला करने वाले पाकिस्तानी तालिबान को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के तौर पर भी जाना जाता है। यह अफगानी तालिबान का निकट सहयोगी माना जाता है। टीटीपी के बहुत सारे लड़ाकों को अफगानिस्तान में शरण मिलती है। कुछ दिनों से पाकिस्तान में हमले बढ़े हैं। हालांकि अफगानिस्तानी तालिबान का दावा है कि वह अपनी धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ नहीं होने देता है।

जापान में भूकंप से मरने वालों की संख्या 128 पहुंची, 195 लापता

टोक्यो। जापानी अधिकारियों ने कहा है कि मध्य प्रान्त इशिकावा में मरने वालों की संख्या 128 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि 6 दिन पहले 7.6 तीव्रता के भूकंपों ने प्रीफेक्चर और इसके आसपास के क्षेत्र को प्रभावित किया था। भूकंप के कारण इशिकावा में 560 लोगों को चोटें आईं हैं। प्रीफेक्चर में 195 निवासियों का अभी भी पता नहीं चल पाया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार भूकंप प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान जारी है। एक समाचार एजेंसी के अनुसार रात करीब 8:20 बजे इशिकावा प्रान्त के सुजु शहर में एक ढहे हुए घर से मलबे में फंसी 90 साल की एक महिला को बाहर निकाला गया। एक डॉक्टर ने रविवार को कहा कि सोमवार को आए शक्तिशाली भूकंप के 124 घंटे बाद बचाई गई बुजुर्ग महिला अब ठीक हो गई है। आपातकालीन बचाव दल के अनुसार भूकंप के बाद 72 घंटों से अधिक समय तक लोगों को बचाया जाना दुर्लभ है क्योंकि पहले 3 दिनों के बाद किसी आपदा में जीवित रहने की संभावना काफी कम हो जाती है। प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को कहा कि सरकार प्रभावित लोगों को तरजीही उपचार देने के लिए भूकंप को एक निर्दिष्ट आपातकालीन आपदा के रूप में नामित करेगी। जैसे कि ड्राइवर के लाइसेंस की वैधता अवधि बढ़ाना और दिवालियापन की कार्यवाही को स्थगित करना। जापान की मौसम एजेंसी ने यातायात बाधित होने की चेतावनी दी है क्योंकि आपदा प्रभावित इलाकों में भारी बर्फबारी की आशंका है। इशिकावा में सोमवार सुबह तक 60 सेमी तक बर्फबारी होने की संभावना है। प्रीफेक्चुरल सरकार भारी बर्फ जमा होने की स्थिति में प्रमुख सड़कों को अस्थायी रूप से बंद करने की योजना बना रही है।

कोहरे के कारण 35 वाहनों की आपसी भिड़ंत में दो मरे, नौ घायल

लॉस एंजिल्स । अमेरिका के कैलिफोर्निया में घने कोहरे के कारण 35 वाहनों की आपसी टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। इस भिडंत में 9 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस दुर्घटना के कारण केर्न काउंटी में दक्षिण की ओर जाने वाले अंतरराज्यीय मार्ग को रविवार सुबह तक 24 घंटे से अधिक समय के लिए बंद करना पड़ा है। स्थानीय मी?डिया के अनुसार लॉस एंजिल्स के उत्तर में लगभग 170 किलोमीटर दूर, बेकर्सफील्ड के पास दक्षिण की ओर स्थानीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे हुई टक्कर के बाद यहां पर आपातकालीन दल को बुलाया गया। हालां?कि बाद में घोषणा की गई कि 'अराजक' स्थिति में दो लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है ?कि इस दुर्घटना में 35 वाहन शामिल थे, जिनमें 17 यात्री वाहन और 18 बड़े रिग शामिल थे। कैलिफोर्निया परिवहन विभाग (कैलट्रांस) ने कहा कि यह दुर्घटना कोहरे की स्थिति के दौरान हुई जिसमें दृश्यता लगभग तीन मीटर तक कम थी। कैल्ट्रान्स के अनुसार जांच और सफाई के कारण क्षेत्र में दक्षिण की ओर जाने वाली एल-5 लेन रविवार सुबह लगभग 11 बजे तक बंद रही। दुर्घटना में शामिल ड्राइवर येसेनिया क्रूज ने बताया कि जीपीएस पर दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद वह रुक गई। दो मिनट बाद, उसके पीछे वाली कार उससे टकरा गई और तभी सब कुछ तेजी से होता गया।

नई दिल्ली के एक्शन पर मालदीव ने भारतीय दूत को किया तलब

माले । नई दिल्ली के रूख के बाद अब राजनयिक विवाद बढ़ने पर मालदीव ने भारतीय दूत को तलब किया है। मालदीव की तरफ से यह ताजा प्रतिक्रिया सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार कुछ ही घंटों बाद मालदीव ने भारतीय दूत को बुलाया है। बता दें कि भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। मालदीव सरकार ने मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अपने तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया। तीनों उप मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद एक्स पर प्रधानमंत्री के पोस्ट के लिए उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है। मालदीव की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, युवा मंत्रालय में उप मंत्रियों - मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को उनके पदों से निलंबित कर दिया गया है। गौरतलब है कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसियों में से एक है और माले की पिछली सरकार में दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति देखी गई है। बता दें कि नये राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन का करीबी माना जाता है। मुइज्जू ने लगभग एक महीने पहले पदभार संभालने के बाद मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी का आह्वान किया था। इसके बाद से अनेक प्र?तिक्रियाएं आनी शुरु हो गई थीं।

मजदूर के फावड़े ने कोयले की खदान से निकाला करोड़ों साल पुराना हाथी-दांत

वाशिंगटन । कोयले की खदान में खुदाई के दौरान करोड़ों साल पुराना हाथी-दांत मिला है। यह खजाना मजदूरों को फावड़ा चलाने के दौरान हाथ लगा है। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका के नॉर्थ डकोटा शहर में खुदाई के दौरान मजदूरों के काफी पुराना मैमथ (हाथी के पूर्वज) का दांत मिला है। बताया जा रहा कि यह खदान के अंदर विलुप्त हो चुकी नदी के तल में दबा हुआ था। यह 2 मीटर लंबा विशाल दांत बताया जा रहा है जो अनुमानत: 10 हजार से 1 लाख साल पुराना है। खदान से आमतौर पर सालाना लाखों तन लिग्नाइट कोयले का उत्पादन होता है। कोयले के खदान में भारी उपकरणों के इस्तेमाल बाद भी लाखों साल पुराने विशाल दांत की अच्छी तरह से संरक्षित स्थिति से विशेषज्ञ काफी आश्चर्यचकित थे। बताया जा रहा है कि आगे की खुदाई में भी 20 से अधिक हड्डियाँ मिलीं हैं, जो बताती है कि संभवत: नॉर्थ डकोटा में मैमथ ज्यादा मात्रा में पाए जाते थे। जानकार बता रहे हैं कि आज के हाथियों से काफी बड़े मैमथ कभी पृथ्वी पर घूमते थे। यह विशाल खोज उनके इतिहास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करती है, जिसमें संभावना जताई हैं कि सभी हड्डियाँ एक ही जानवर की हैं। मैमथ के पूरे कंकाल की तुलना में कम हड्डियों के बावजूद यह खोज काफी महत्वपूर्ण है। यह विशाल दांत 22.6 किलोग्राम से अधिक वजनी है लेकिन यह काफी नाजुक होता है। इनके क्षति को रोकने के लिए जीवाश्म विज्ञानियों ने नियंत्रित निर्जलीकरण के लिए इसे प्लास्टिक में पैक कर दिया। हड्डियां महीनों तक इसमें रखी रहेंगी जिन्हें खदान कंपनी शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन के लिए दान करने वाली है।

भूकंप से बेघर हुए हजारों लोगों में निराशा और अनिश्चितता का डर

टोक्यों । जापान के पश्चिमी तट पर आए भूकंप से हजारों लोग बेघर होने के बाद निराशा और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। अभी भी लापता लोगों की तलाश जारी है। बता दें कि एक सप्ताह पहले आए भूकंप के कारण रातोंरात बेघर हुए हजारों लोग थकान और अनिश्चितता के जद हैं। यहां आए भूकंप के कारण अब तक कम से कम 161 लोगों की मौत हो गयी है और कई लोग लापता हैं।

वार्सेटर में विंटर स्टोर्म के दौरान बर्फबारी के बीच से निकलती हुई गाड़ियां।

शेख हसीना लगातार चौथी बार बांग्लादेश की पीएम बनेंगी

-अवामी लीग ने 300 में से 204 सीटें जीतीं; भारत, चीन और रूस ने दी बधाई

ढाका । बांग्लादेश की मौजूदा पीएम शेख हसीना लगातार चौथी बार प्रधानमंत्री पद पर काबिज होने जा रही हैं। रविवार 7 जनवरी को हुए आम चुनाव में हसीना की पार्टी अवामी लीग ने संसद की 300 में से 204 सीटें जीत लीं। इस बार 299 सीटों पर वोटिंग हुई थी। वहीं, हसीना ने लगातार आठवीं बार चुनाव जीता। गोपालगंज-3 सीट से उन्होंने बांग्लादेश सुप्रीम पार्टी के कैंडिडेट एम निजामुद्दीन लश्कर को 2.49 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। हसीना को 2 लाख 49 हजार 965 तो निजामुद्दीन को महज 469 वोट मिले। हसीना पहली बार 1986 में चुनाव जीती थीं। बांग्लादेश चुनाव आयोग के मुताबिक, इस बार चुनाव में 40 प्रतिशत वोट पड़े। यह आंकड़ा बदल सकता है। 2018 के चुनाव में 80 प्रतिशत मतदान हुआ था। देश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी समेत विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। आवामी लीग की जीत के बाद ढाका में भारत के राजदूत प्रणय वर्मा ने शेख हसीना से मुलाकात की। उन्होंने बुके देकर शेख हसीना को भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से जीत की बधाई दी। प्रणय वर्मा ने उम्मीद जताई है कि शेख हसीना की नई पारी में दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। वहीं, भारत के अलावा चीन और रूस ने भी शेख हसीना को बधाईयां भेजी हैं।

लोकतंत्र बचाओ अपील के साथ बाइडेन का चुनाव अभियान शुरु

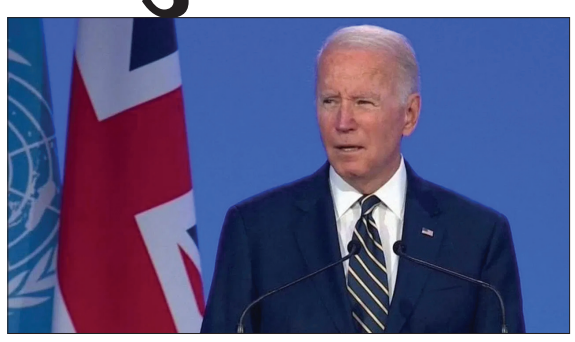

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कैपिटल हिल पर हुए दंगे की तीसरी वर्षगांठ को बदनामी दिवस का प्रतीक बताते हुए अपना चुनाव अभियान शुरू किया। इस दौरान अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला करते हुए लोकतंत्र बचाओ अपील की अपील की। राष्ट्रपति बाइडेन ने पेंसिल्वेनिया में वैली फोर्ज में अमेरिकियों से पूर्व राष्ट्रपति से अमेरिकी लोकतंत्र की रक्षा करने में शामिल होने का आह्वान किया जिन्होंने तुलनात्मक रूप से विद्रोहियों को माफ करने का वादा किया है।

उन्होंने वैली फोर्ज, पेंसिल्वेनिया के पास शुक्रवार के भाषण में कहा, जिस लोकतंत्र के लिए उन अमरीकी स्वतंत्रता सेनानियों ने लड़ाई लड़ी, वह खतरे में है। क्या लोकतंत्र अभी भी अमेरिका का पवित्र उद्देश्य है या नहीं, यह हमारे समय का सबसे जरूरी सवाल है। यहां कॉन्टिनेंटल सेना ने ब्रिटिशों के खिलाफ विद्रोह के दौरान जनरल जॉर्ज वाशिंगटन के शासनकाल साल1777-78 की सर्दी बिताई थी। साल 1776 में 4 जुलाई को अमेरिका को औपनिवेशिक शासन की बेड़ियों से मुक्त कराया गया था।बाइडेन ने ट्रंप के अधिक अपमानजनक दावों और टिप्पणियों की एक सूची सूचीबद्ध की, जिसमें एडॉल्फ हिटलर की भाषा और तानाशाहों के अलोकतांत्रिक कार्यों की तुलना की गई।

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी के पति पॉल पर हुए हिंसक हमले पर ट्रंप के हंसने की अत्यधिक आलोचना करते हुए बाइडेन ने ट्रंप के बारे में कहा, क्या वह मानसिक ट्रंप कौन हैं। हमें जिस सवाल का जवाब देना है, वह यह है कि हम कौन हैं ट्रंप ने शुक्रवार को आइयोवा में समर्थकों की भीड़ के बीच बाइडेन के भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भय फैलाने वाला कहा और हकलाने वाले बाइडेन के आजीवन संघर्ष का मजाक उड़ाया। ट्रंप ने तर्क दिया कि बाइडेन के राष्ट्रपति पद को कमजोरी, अक्षमता, भ्रष्टाचार और विफलता द्वारा चिह्नित किया गया है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि कुटिल व्यक्ति आज पेनसिल्वेनिया में अपना दयनीय भय फैलाने वाला अभियान कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

मालदीव की मंत्री के बयान को मुइज्जू सरकार ने बताया व्यक्तिगत राय

माले। मालदीव की मंत्री मरियम शिउना द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर मुइज्जू सरकार ने पल्ला झाड़ लिया है। उसने इसे मंत्री की व्यक्तिगत राय बताया है। बता दें कि पीएम की लक्षद्वीप यात्रा के बाद हिंद महासागर के द्वीप राष्ट्र मालदीव के मंत्री को इस बात का डर सताने लगा कि अब उनके देश से पर्यटन भारत में चला जाएगा। मालदीव में युवा अधिकारिता उप मंत्री मरियम शिउना ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जोकर और कठपुतली तक कह दिया। मंत्री द्वारा किए गए इस पोस्ट के बाद मालदीव में ही विरोध शुरू हो गया, जिसके बाद उन्हें अपना पोस्ट डिलीट करना पड़ गया। लगातार हो रहे विरोध के बाद मालदीव सरकार भी हरकत में आई और इस बयान के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का दावा किया। हालांकि मालदीव सरकार ने मंत्री द्वारा पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी से पल्ला झाड़ लिया और खुद को मंत्री की मंशा से अलग बताया है। बता दें कि मालदीव सरकार ने रविवार को एक बयान में कहा कि यह मंत्री की व्यक्तिगत राय है, इस बयान का मालदीव सरकार प्रतिनिधित्व नहीं करती है। मालदीव सरकार के बयान में कहा गया है कि सरकार का मानना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग लोकतांत्रिक और जिम्मेदार तरीके से किया जाना चाहिए। अभिव्यक्ति ऐसे तरीकों से की जानी चाहिए जो नफरत, नकारात्मकता न फैलाएं और मालदीव और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के बीच घनिष्ठ संबंधों में बाधा न डालें। मालदीव सरकार ने बयान में कहा कि सरकार के संबंधित अधिकारी ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेंगे। मालदीव के मंत्री के पीएम मोदी विरोधी बयान के बाद मालदीव में ही विरोध शुरू हो गया। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने पीएम मोदी की लक्षद्वीप यात्रा का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने कहा कि मंत्री मरियम शिउना द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा भयानक थी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत मालदीव की सुरक्षा और समृद्धि के लिए एक प्रमुख सहयोगी है।

अमरीकी राष्ट्रपति से गोपनीयता, सामान्य व्यवहार के विपरीत : रक्षा अधिकारी

-आईसीयू में भर्ती अमरीकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने छुपाया तथ्य

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती सूचना से अनभिज्ञ राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी अनुसार पेंटागन प्रमुख ऑस्टिन संबंधी तथ्य को राष्ट्रपति जो बाइडन से भी कई दिनों तक छिपा कर रखा गया।

ऑस्टिन के वाल्टर रीड आर्मी मेडिकल सेंटर में भर्ती होने का खुलासा करने में पेंटागन की नाकामी, उनकी बीमारी को लेकर पारदर्शिता की कमी को दर्शाती है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा संकट से जूझने के वक्त इस तरह की गोपनीयता राष्ट्रपति तथा अमेरिका के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कैबिनेट सदस्यों के साथ सामान्य व्यवहार के विपरीत है।

एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने कहा कि उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को बृहस्पतिवार तक यह जानकारी नहीं दी गयी थी कि ऑस्टिन एक जनवरी से अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना मिलने के बाद हिक्स ने कांग्रेस को बयान भेजने और वाशिंगटन लौटने की योजना बनानी शुरू कर दी।

हिक्स छुट्टी लेकर प्यूर्तो रिको गयी थीं। अधिकारियों ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि बाइडन को भी ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी नहीं दी गयी थी। उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान ने बृहस्पतिवार को उन्हें इसकी जानकारी दी।

शनिवार शाम को जारी किए एक बयान में ऑस्टिन ने सूचना देने में देरी की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, ''मैं मानता हूं कि उचित तरीके से तथ्य को सूचित करने का काम कर सकता था। लेकिन यह बताना जरूरी है कि यह मेरी चिकित्सीय प्रक्रिया थी और मैं इसका खुलासा न करने को लेकर अपने फैसलों की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।

ऑस्टिन (70) के प्रेस सचिव ने बताया कि वह एक मामूली सर्जरी के बाद स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कतर में एक संवाददाता सम्मेलन में ऑस्टिन का समर्थन किया।

मेयर एरिक एडम ने अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन को बताया बेहद महत्वपूर्ण

-हिंदू समुदाय द्वारा आयोजित माता की चौकी में शामिल हुए अनेक लोग

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क में आयोजित माता की चौकी में शहर के मेयर एरिक एडम और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपायुक्त दिलीप चौहान शामिल हुए। इस दौरान मेयर एरिक एडम ने अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। माता की चौकी समारोह में शामिल होने के बाद जब उनसे अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर न्यूयॉर्क के हिंदुओं में दिख रहे उत्साह को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस कार्यक्रम को हिंदू समुदायों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। बता दें कि 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मीडिया द्वारा साझा की गई वीडियो में दिलीप चौहान को माता रानी की आरती करते देखा जा सकता है। यह माता की चौकी शहर के गीता मंदिर में आयोजित की गई थी। इस बीच मंदिर के पंडित ने मेयर एरिक एडम और दिलीप चौहान को शॉल पहनाकर सम्मानित भी किया। जब उनसे अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर न्यूयॉर्क के हिंदुओं में दिख रहे उत्साह को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस कार्यक्रम को हिंदू समुदायों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। वहीं पर मीडिया से बात करते हुए अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन पर न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम ने कहा, अगर हम न्यूयॉर्क शहर में हिंदू समुदाय को देखें, तो यह बेहद महत्वपूर्ण है। यह उन्हें जश्न मनाने और अपनी आध्यात्मिकता को ऊपर उठाने का मौका देता है। इस बीच दिलीप चौहान ने कहा कि मेयर हिंदू समुदाय से बेहद प्यार करते है। उन्होंने न्यूयॉर्क में दिवाली उत्सव को देखते हुए पब्लिक स्कूल में हॉलिडे भी घोषित किया है। उपायुक्त दिलीप चौहान ने भारत के लोगों को राम मंदिर उद्घाटन पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

परमाणु संलयन आधारित नकली सूरज का निर्माण कर रहा चीन

-विद्युत उत्पादन के लिए व्यवसायिक एप्लीकेशन बनी तकनीक

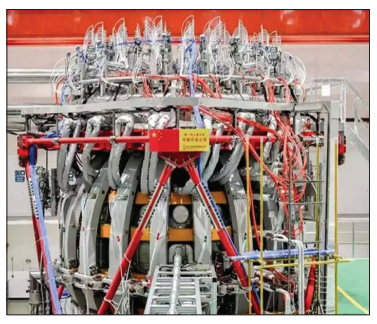

बीजिंग (एजेंसी)। परमाणु संलयन तकनीक के आधार चीन की सरकार नकली सूरज का निर्माण करने जा रही है। चीन का यह सूरज असली सूर्य के मुकाबले 7 गुना ज्यादा गरम होगा। चीन का दावा है कि इस नकली सूरज से विश्वभर में चल रहे ऊर्जा चुनौतियों का एक आदर्श हल निकलेगा। चीन का यह परमाणु रिएक्टर साल 2035 तक बनकर तैयार हो जाएगा। चीन की सरकारी कंपनी चाइना नैशनल न्यूक्लियर कार्पोरेशन इस सूरज का निर्माण करने जा रही है। वहीं अमेरिका समेत कई अन्य देश भी नकली सूरज को बनाने में जुटे हुए हैं।

दरअसल, अनंत ऊर्जा का स्रोत सूरज परमाणु संलयन तकनीक पर काम करता है और यही पूरी दुनिया को आकर्षित कर रहा है। चीन का प्लान है कि साल 2035 इस नकली सूरज का प्रोटोटाइप बना लिया जाए और साल 2050 तक बड़े पैमाने पर व्यवसायिक उत्पादन शुरू कर दिया जाए। सितंबर महीने में चीनी कंपनी के चेयरमैन लू तिएझोंग ने कहा था कि परमाणु संलयन के आधार पर बिजली का निर्माण सबसे पहले चीन में होना चाहिए। हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं।

चीन अब अपने परमाणु संलयन ऊर्जा शोध से जुड़े हर व्यक्ति को एक साथ लाना चाहता है ताकि इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल किया जा सके। अभी तक चीन में यह प्रोग्राम शोध संस्थाओं और प्राइवेट कंपनियों में बिखरा हुआ था। उन्हें वैसी सफलता नहीं मिली जैसी की चीन की सरकार चाहती थी। चीनी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि ग्लोबल एनर्जी चैलेंज को देखते हुए विभिन्न देशों में प्रतिस्पर्द्धा मुख्य बिंदु बन गया है। उन्होंने कहा कि चीन को अब उच्च गुणवत्ता वाले ऊर्जा उद्योग की जरूरत है।

चीनी सरकारी कंपनी के अधिकारी ने कहा कि अब हम अपना पूरा संसाधन इस एक मुख्य प्रॉजेक्ट पर करने जा रहे हैं। चीन की एक अन्य हाईटेक कंपनी स्टारटोरस फ्यूजन के संस्थापक चेन रुई ने कहा कि परमाणु संलयन अब देश के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है। उनकी कंपनी परमाणु संलयन से पैदा होने वाली बिजली के लिए व्यवसायिक एप्लीकेशन बना रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप और अमेरिका इस दिशा में बहुत तेजी से काम कर रहे हैं। चीन की जिनपिंग सरकार अब इस क्षेत्र पर और ज्यादा फोकस कर रही है। चीनी रिएक्टर हाइड्रोजन परमाणुओं को 10 करोड़ डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गर्म करता है, जिससे वे मिलकर भारी परमाणु बन जाते हैं और इस प्रक्रिया में गर्मी और रोशनी के रूप में बहुत बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है।

टाइम ट्रेवलर ने 94 साल आगे की दुनिया देखी, सबूत के तौर पर फोटो भी दिखाई

-एलियंस को लेकर किया बड़ा दावा, अलग-अलग देशों के नेताओं से करेंगे बातचीत

लंदन (एजेंसी)। इन दिनों भविष्यवाणी करने वालों की बातें खूब सुनी जा रही है। इनमें कितनी सच्चाई है और कितना लॉजिक है, यह तो जानकार ही बता सकते हैं, लेकिन एक टाइम ट्रेवलर की बातों पर यकीन करें तो उसने 94 साल आगे की दुनिया देखी है। वह उसकी फोटो भी दिखा रहा है और दावा कर रहा है कि तब तक तो एलियन अलग-अलग देशों के नेताओं से बातचीत भी करेंगे। टाइम ट्रैवेलिंग का दावा करने वाले लोगों ने भविष्य में जाने के जो सबूत पेश किए हैं, उन पर यकीन तो नहीं होता, लेकिन लेकिन टाइम ट्रैवेलर्स इस कांसेप्ट को लेकर जो बातें बताते हैं, वो चौंका ज़रूर देती हैं। एक ऐसे ही खुद को टाइम ट्रैवेलर कहने वाले एलेक्जैंडर स्मिथ नाम के शख्स ने दावा किया है कि वो साल 1981 में ही टाइम ट्रैवल कर 137 साल आगे चला गया था। अब उसने भविष्य की तस्वीर भी दिखाई है और इससे जुड़े हुए कुछ सनसनीखेज़ दावे किए हैं। एलेक्जैंडर स्मिथ ने मीडिया से बात करते हुए बताया कहा था कि वो साल 1981 में ही टाइम ट्रैवल कर साल 2118 में पहुंच गया था। फिर वर्तमान में लौटकर शख्स ने दावा किया है।

एलेक्जैंडर स्मिथ ने बताया कि वो अमेरिकी खुफिया विभाग सीआईए (सीआईए) के एक टॉप सीक्रेट मिशन के तहत भविष्य में गया था। स्मिथ ने इंटरव्यू में बताया कि वो दिन दूर नहीं है, जब एलियंस धरती पर आ जाएंगे और वो अलग-अलग देशों के नेताओं से संपर्क साधेंगे। वो हम इंसानों से ज्यादा स्मार्ट होंगे। हैरानी की बात ये है कि वो हमारे बीच ही रहेंगे और हमारे लिए खतरा बने रहेंगे। उनका संपर्क उनकी अपनी दुनिया से भी बना रहेगा।

इतना ही नहीं स्मिथ ने बताया कि साल 2118 में थर्ड वर्ल्ड वॉर होने की भी आशंका है, जो अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच होगा। उसने एक तस्वीर भी दिखाई है, जिसके फ्यूचर की फोटो होने का दावा किया है। उसकी इस फोटो में हरे रंग की ऊंची-ऊंची इमारतें दिख रही हैं, जिन्हें लेकर उसका दावा है कि ऐसी बिल्डिंग फ्यूचर में बना करेंगी। इतना ही नहीं स्मिथ का ये भी दावा है कि आने वाले वक्त में जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से लोगों को मुश्किल का सामना करना पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर में बीते साल रिकॉर्ड दो करोड़ पर्यटक पहुंचे

-77 सालों में पहली बार पहुंची ये संख्या

जम्मू ।जम्मू-कश्मीर से 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद-370 हटाने के बाद चार साल में केंद्र शासित प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। इससे घाटी में रोजगार बढ़े हैं। जम्मू-कश्मीर में पिछले साल रिकॉर्ड दो करोड़ पर्यटक आए। यह पिछले 77 साल में सबसे अधिक है। यह अनुच्छेद-370 हटने के बाद चार साल में केंद्र शासित प्रदेश में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। इससे रोजगार बढ़े हैं। होटल उद्योग फल-फूल रहा है। पिछले वर्ष यहां 100 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रसिद्ध फ्रांसीसी समाचार पत्र ने कश्मीर के उभरते आकर्षण पर एक रिपोर्ट पेश की है। इसमें इस दशकों के संघर्ष के बाद विदेशी यात्रियों के लिए खुलने वाला एक भूला हुआ स्वर्ग बताया गया है। बेरेनिस डेब्रास ने अपने लेख में श्रीनगर को हिमालय की तलहटी में शांति के स्वर्ग के रूप में चित्रित किया है। वह लिखते हैं, डल झील की खामोशी में घिरी हुई नाव शांत पानी में खूबसूरती से सरकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि समय ने अपनी सांसें रोक ली हैं और पक्षी धीरे-धीरे फुसफुसा रहे हैं। जब सब्जी विक्रेता एक नाव से दूसरी नाव पर बातचीत में लगे होते हैं,तब तैरता हुआ बाजार जीवंत हो उठता है। सदियों पुरानी परंपरा अपरिवर्तित बनी हुई है, कश्मीरी कहवा की सुगंध प्रामाणिक अनुभव प्रदान करती है। प्रवक्ता ने कहा कि रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह जम्मू-कश्मीर के संघर्षग्रस्त अतीत से एक समृद्ध वर्तमान तक की यात्रा को खूबसूरती से दर्शाती है। भूले हुए स्वर्ग को विश्व मंच पर अपनी स्थिति फिर से हासिल करने के रूप में चित्रित किया गया है, जो जादू और आकर्षण के एक नए युग का प्रतीक है।

कजिन भाई-बहन को कपल समझ तीन घंटे की मारपीट, 9 लोग गिरफ्तार

बेलगावी । अलग-अलग धर्मों के कजिन भाई-बहन को कपल समझ लिया और घंटों तक बेरहमी से पीटा गया। घटना कर्नाटक के बेलगावी की है। पुलिस ने दोनों को गंभीर हालत में बचाया। कुल 17 लोगों पर मारपीट के आरोप लगे हैं। खबर है कि पुलिस ने मामले में तत्काल कार्रवाई की और करीब 9 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल, जांच जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, कजिन भाई-बहन कर्नाटक सरकार की युवा निधि में आवेदन देने के लिए बेलगावी आए थे। सर्वर में परेशानी के चलते देर हो रही थी, जिसके बाद दोनों पास की झील के पास चले गए थे। युवती की उम्र 24 और युवक की आयु 21 साल बताई जा रही है। दोनों यमनापुर गांव के रहने वाले हैं। फोर्ट लेक के पास कुछ लोगों ने उन्हें कपल समझ कर घसीटकर शेड में ले गए। यहां दोनों के साथ करीब 3 घंटों तक मारपीट होती रही। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने 17 में से 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 नाबालिग भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि युवती के माता-पिता अलग धर्मों के हैं। युवती और युवक की मां बहनें हैं। पुलिस का कहना है कि दोनों ने भीड़ को समझाने की काफी कोशिश की, लेकिन किसी ने एक नहीं सुनी और मारपीट करते रहे।

हिट एंड रन के मामले : देश में हर घंटे करीब 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिट एंड रन को लेकर बनाए गए नए कानून को लेकर देशभर में बहस छिड़ी हुई है। बस, ट्रक और डंपर चालकों ने कुछ दिन पहले ही इसके विरोध में देशव्यापी हड़ताल कर चुके है। लेकिन इस बीच राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों ने सभी को चौंका दिया है। एनसीआरबी आंकड़ों के मुताबिक हिट एंड रन के मामलों में हर घंटे करीब 6 लोगों की मौत होती है। इतना ही नहीं हिट एंड रन के ही कारण हर रोज करीब 140 लोग अपनी जान गंवा देते हैं। रिपोर्ट का सबसे खराब पहलू यहा है कि हिट एंड रन के करीब 50 फीसदी मामलों में पुलिस आरोपियों की गाड़ियों को ट्रेस ही नहीं कर सकती हैं। यानी घटना के लिए जिम्मेदार गाड़ी चालक मौके से किसी भी तरह भागने में कामयाब हो जाते हैं। गाड़ी ट्रेस ना होने पाने पर आरोपी फरार घोषित हो जाते हैं। जब गाड़ियां ट्रेस नहीं हो प पाती हैं, तब पीड़ित के परिवार को न्याय के साथ-साथ मुआवजा भी नहीं मिल पाता है।

पहले और अब के कानून में क्या बदलाव

अब तक हादसा होने पर ड्राइवरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 279 यानी लापरवाही से वाहन चलाने, 304ए यानी लापरवाही से मौत और 338 यानी जान जोखिम में डालने के तहत केस दर्ज किया जाता रहा है, लेकिन नए कानून में मौके से फरार होने वाले ड्राइवर के खिलाफ 104(2) के तहत केस दर्ज होगा। पुलिस या मजिस्ट्रेट को सूचित ना करने पर उसे 10 साल की कैद के साथ जुर्माना भी देना होगा।

मुस्लिम विक्रेता संघ की बड़ी पहल, 22 जनवरी को लखनऊ में बंद रहेंगी मांस की दुकानें

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख मुस्लिम संगठन ऑल इंडिया जमीयतुल कुरेश ने घोषणा की है कि वह 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर अभिषेक समारोह के दौरान लखनऊ में सभी मांस की दुकानें बंद रखेंगे। ऑल इंडिया जमीयतुल कुरेश के राष्ट्रीय सचिव शहाबुद्दीन कुरेशी और उपाध्यक्ष अशफाक कुरेशी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समुदाय ने लखनऊ के बिलोचपुरा, सदर कैंट, फतेहगंज और लाटूश रोड इलाकों में सभी मांस की दुकानें बंद रखने का फैसला किया है। शहाबुद्दीन कुरेशी ने राज्य के डिप्टी सीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि हम सब अवधवासी हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा पर सद्भावना को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 22 जनवरी 2024 को बिलोचपुरा, सदर कैंट, फतेहगंज और लाटूश रोड क्षेत्र के सभी मीट व्यापारी अपना कारोबार बंद रखेंगे। वहीं, महाराष्ट्र में भाजपा विधायक राम कदम ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के दिन राज्य में शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया है। पत्र में कदम ने राज्य नेतृत्व से 22 जनवरी को शराब और मांस की बिक्री पर रोक लगाने के लिए केंद्र से अनुरोध करने का भी आग्रह किया।

पांच लोकसभा सदस्यों को साल 2023 संसद रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली। भाजपा के सुकांत मजूमदार और शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे सहित पांच लोकसभा सदस्यों को साल 2023 संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। भाजपा के सुधीर गुप्ता, राकांपा के अमोल रामसिंग कोल्हे और कांग्रेस के कुलदीप राय शर्मा को भी पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन सांसदों को 17 फरवरी को दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा। संसद रत्न 17 फरवरी को किया जाएगा पुरस्कृत पुरस्कार प्रतिवर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सांसदों को, जबकि संसद महारत्न पुरस्कार लोकसभा के कार्यकाल के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता के लिए पांच साल में एक बार प्रदान किए जाते हैं। चेन्नई स्थित गैर-लाभकारी धर्मार्थ न्यास 'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के कहने पर इस सम्मान की शुरुआत की थी, जिन्होंने 2010 में चेन्नई में पहले पुरस्कार समारोह का उद्घाटन किया था। ये पुरस्कार व्यापक प्रदर्शन पर आधारित हैं, जिसके लिए नामांकित व्यक्तियों का चयन एक प्रतिष्ठित निर्णायक समिति ने किया।

जेल से आकर आप नेता संजय सिंह ने राज्यसभा के लिए किया नामांकन

नई दिल्ली । शराब घोटाला मामले में जेल में बंद आप नेता संजय सिंह ने सोमवार को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन कर दिया है। उन्हें दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट से पहले ही व्यक्तिगत रूप से नामांकन दाखिल करने की छूट मिल गई थी। सोमवार को सिंह को रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में ले जाया गया, ताकि वह अपना नामांकन पत्र जमा कर सकें। नामांकन और दस्तावेजों की जांच की उपरोक्त प्रक्रिया पूरी होने तक संजय सिंह यहीं मौजूद रहे। बात दें कि संजय सिंह को किसी भी मोबाइल फोन का उपयोग करने और मामले या सीबीआई मामले के किसी अन्य आरोपी, संदिग्ध या गवाह से बात करने की अनुमति नहीं दी गई थी। संजय सिंह को प्रेसवार्ता को संबोधित करने या कोई सार्वजनिक बैठक आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई थी।

केरल से दुबई की यात्रा करे क्रूज से... खूबसूरत नजारे और कई छोटे-छोटे द्वीपों को निहारे

कोच्चि (एजेंसी)। सोचिए कितना मजा आएगा जब केरल से दुबई आप क्रूज से खूबसूरत नजारे और कई छोटे-छोटे द्वीपों को देखते हुए जाएंगे। जी हां यह सच है, अब लोग क्रूज जहाज पर केरल से दुबई की यात्रा कर सकते हैं। हवाई यात्रा के दौरान काफी पैसों को भी खर्च करना पड़ता था और डायरेक्ट फ्लाइट भी नहीं होती थी लेकिन अब खूबसूरत नजारों के साथ दुबई तक का सफर कर सकते है।

रिपोर्ट के अनुसार मोदी सरकार ने बेपोर-कोच्चि-दुबई क्रूज सेवा को मंजूरी दे दी है, जो मलयाली लोगों के लिए लक्जरी समुद्री यात्रा की दुनिया में एक नए युग का संकेत है। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने खुलासा किया कि अनिवासी भारतीय यात्रियों की लगातार मांगों के बाद क्रूज जहाज सेवा शुरू करने के शुरुआती कदम चल रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह घोषणा एर्नाकुलम के सांसद हिबी ईडन द्वारा पूछे गए एक हालिया प्रश्न के जवाब में आई है।

कोझिकोड के बेयपुर से कोच्चि होते हुए दुबई तक 4000 किलोमीटर का सफर है। यात्रियों को केवल एक-तिहाई कीमत पर तीन गुना यानी 200 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति होगी। एक तरफ के टिकट के लिए लगभग 10,000 रुपये (डीएच442) -15,000 (डीएच 663) है। यह सेवा कार्गो कंपनियों के सहयोग से शुरू होगी और जहाज में 1,250 लोग बैठ सकते हैं।

संभावित क्रूज सेवा अनिवासी केरलवासियों को राहत देने के लिए तैयार है, जो अक्सर केरल और दुबई के बीच अपनी यात्रा के दौरान बढ़ते हवाई किराए का सामना करते हैं। यदि क्रूज परिचालन शुरू करता है, तब यह एक लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करता है, जिसके लिए हवाई टिकट के खर्च का केवल एक तिहाई की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके अतिरिक्त, यात्री हवाई जहाज में अनुमति से तीन गुना अधिक सामान ले जाने की सुविधा का आनंद ले सकते हैं।

क्रूज सेवा को हरी झंडी देने का निर्णय शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, नोआरकेए-रूट्स और केरल मैरीटाइम बोर्ड सहित प्रमुख मंचों पर चर्चा के बाद होगा। इस सेवा में 1,250 यात्रियों को समायोजित करने की उम्मीद है और यह कोच्चि-दुबई मार्ग के लिए विशेष रूप से नामित एक पूरी तरह सुसज्जित जहाज का उपयोग करेगा। विशेष रूप से, मूल रूप से किसी अन्य राज्य के लिए कोच्चि में निर्मित जहाज को इस महत्वपूर्ण केरल खाड़ी सेवा के लिए पुनर्निर्मित किया गया है।

कई प्रवासियों को चरम यात्रा सीजन के दौरान अत्यधिक हवाई किराए का खामियाजा भुगतना पड़ा है। क्रूज़ सेवा का लक्ष्य एक व्यावहारिक समाधान प्रदान करना है, जो अधिक किफायती परिवहन विकल्प प्रदान करता है और यात्रियों को कम से कम 10,000 में एकतरफा टिकट खरीदने में सक्षम बनाता है।

वरुण गांधी का मोदी सरकार पर हमला... पांच साल बाद अग्निवीर हो जाएंगे बेरोजगार

नई दिल्ली । यूपी की पीलीभीत सीट से बीजेपी सांसद वरुण गांधी अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। वरुण ने फिर से अग्निवीर योजना को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पांच साल बाद अग्निवीर

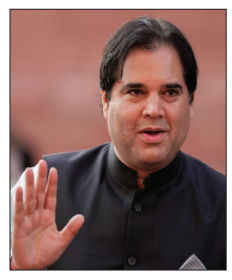

युवा गांवों में बेरोजगार घूमते हुए दिखाई देने वाले हैं। क्या ये देश और वर्दी का अपमान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं का मनोबल गिरेगा। सांसद ने कहा, अग्निवीर के तहत भर्ती होने वाले युवाओं को निर्धारित समय के बाद नौकरी से बाहर किया जाएगा। गांव में उन्हें रोजगार नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा, जो लाखों लोग हटाए जाएंगे, उनकी जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने कहा, देश नारों से नहीं, बल्कि नीतियों से चलता है। सांसद ने कहा, पिछले 10 साल में 13 लाख करोड़ के ऋण माफ किए गए। इसमें से अधिकांश उद्योगपतियों के हैं। गरीब का एक पैसा माफ नहीं हुआ। वरुण गांधी ने कहा कि हम संविदा के खिलाफ नहीं लेकिन महंगाई के आधार पर इनका भी मानदेय बढ़ाया जाए। बीमा का लाभ मिले, स्थायीकरण हो ताकि उन्हें भी अपनी अहमियत का एहसास हो। पिछले 10 साल में 13 लाख करोड़ के ऋण माफ किए गए, इनमें से ज्यादातर कर्जा उद्योगपतियों का माफ किया गया किसी गरीब का एक पैसा माफ नहीं हुआ।

मोदी सरकार के प्रयासों से घाटी में हिन्दुओं के आए अच्छे दिन...जय श्रीराम के नारे गूंज रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। मोदी सरकार के प्रयासों और विकास कार्यों की बदौलत कश्मीर बदला-बदला नजर आ ही रहा है साथ ही जिस तरह कश्मीर में हिदुंओं के त्यौहारों को धूमधाम से मनाया जा रहा है, मंदिरों का जीर्णोद्धार हो रहा है और वहां से शंख ध्वनियां सुनाई दे रही हैं, वह भी अभूतपूर्व है। पिछले साल रक्षा बंधन पर श्रीनगर के बाजारों में तरह-तरह की राखियों की भरमार थी, जन्माष्टमी पर धूमधाम से रथ यात्रा निकली, कश्मीरियों ने दीपावली और दशहरा भी धूमधाम से मनाया और अब अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को लेकर भी कश्मीर के लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। अयोध्या से लाए 'कलश को कश्मीर में मार्तंड सूर्य मंदिर परिसर के राम मंदिर में स्थापित किया गया तब पूरी घाटी जय श्रीराम के उद्घोष से गूँज उठी। यही नहीं श्रीनगर के आनंदेश्वर भैरवनाथ मंदिर में 32 साल बाद हवन किया गया, तब श्रद्धालुओं की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा।

बता दें कि अनंतनाग जिले में मार्तंड सूर्य मंदिर के परिसर में स्थित राम मंदिर में रविवार को अयोध्या से लाए गए एक 'कलश' को स्थापित किया गया। चुनिंदा राम मंदिरों में भेजे गए कलशों में से एक इस 'कलश को उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के भक्तों की उपस्थिति में स्थानीय लोगों द्वारा स्थापित किया गया। कलश स्थापना के समय विशेष पूजा की गई और भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। बता दें कि आठवीं शताब्दी का मार्तंड मंदिर भारत के सबसे पुराने सूर्य मंदिरों में से एक है। राम मंदिर में कलश स्थापित करने के बाद स्थानीय श्रद्धालुओं ने अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा कि हम इस सम्मान के लिए देश के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही प्रार्थना करते हैं कि कश्मीर में शांति और सद्भाव कायम रहे।

बता दें कि कश्मीर में आतंकवाद फैलने के बाद कई मंदिरों को तहस-नहस किया गया था और कई को बंद कर दिया गया था। आनंदेश्वर भैरवनाथ मंदिर में भी पूजा पाठ बंद करा दिया गया था लेकिन अब बदले हालात में यहां 32 साल बाद पहला हवन हुआ है। श्रीनगर शहर के मैसुमा मोहल्ले में स्थित आनंदेश्वर भैरवनाथ मंदिर में भगवान भैरवनाथ की जयंती के अवसर पर यहां हवन और पूजा-अर्चना की गयी। हवन व पूजा के बाद श्रद्धालुओं व वहां तैनात सीआरपीएफ जवानों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य ने कहा, मंदिर में करीब 32 साल बाद हवन और पूजा का आयोजन किया गया क्योंकि मौजूदा हालात के कारण मंदिर कई सालों से बंद था। उन्होंने कहा कि पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय निवासियों ने हवन के लिए पूरा समर्थन दिया। उन्होंने बताया कि इस मौके पर 150 से अधिक लोगों को मंदिर में आमंत्रित किया गया था।

पीएम मोदी और भाजपा सरकार ने बलात्कारियों का समर्थन किया: ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट के बिलकिस बानो फैसले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला कर कहा कि भारत में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उनके वादे खोखले थे। बानो के बलात्कारियों को समय से पहले रिहा करने के लिए गुजरात सरकार को अदालत के कड़े शब्दों में जवाब का जिक्र करते हुए, ओवैसी ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने राज्य में बलात्कारियों की मदद की।

ओवैसी ने कहा कि मैं पहले दिन से कह रहा हूं कि बीजेपी पीड़ित के साथ खड़े होने के बजाय हमेशा इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले अपराधियों के साथ खड़ी रही है। ये बिलकिस बानो ही हैं, जिन्होंने इतनी बहादुरी से लड़ाई लड़ी और अपनी जान की बाजी भी लगा दी। वहीं गुजरात सरकार जो उनकी रक्षा नहीं कर सकी, उन्होंने उन दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया जिन्होंने उनके साथ बलात्कार कर उनके बच्चे की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि सभी बलात्कारियों को, चाहे वे किसी भी राजनीतिक विचारधारा के हों, एक कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए कि उन्हें कोई छूट नहीं दी जाएगी।

ओवैसी ने कहा कि सिर्फ इसकारण कि आप एक राजनीतिक विचारधारा की पुष्टि करते हैं, आपको मुक्त नहीं किया जाएगा। जब नरेंद्र मोदी नारी शक्ति की बात करते हैं, तब यह खोखला दावा है। वे बानो के बलात्कारियों के साथ खड़े हैं। गुजरात और केंद्र में भाजपा सरकारों, दोनों ने इन लोगों को रिहा करने में मदद की-उन्हें बोलना चाहिए और बिलकिस बानो से माफी मांगनी चाहिए। ओवैसी ने बताया कि भाजपा के दो विधायकों ने 2022 में दोषियों की रिहाई का समर्थन किया था।

सीट बंटवारे को लेकर आप और कांग्रेस की बैठक खत्म...आगे भी होगी बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए सोमवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों दलों के कई नेता मौजूद थे। आप और कांग्रेस केंद्र में भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए गठित विपक्ष के इंडिया ब्लॉक में भागीदार हैं। पिछले महीने दिल्ली में गठबंधन नेताओं की आखिरी बैठक के बाद विभिन्न दलों के बीच विभिन्न राज्यों के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा शुरू हो गई है।

कांग्रेस-आप की बैठक में कांग्रेस की ओर से मुकुल वासनिक, अशोक गहलोत, मोहन प्रकाश, अरविंदर सिंह लवली मौजूद रहे जबकि आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व आतिशी, सौरभ भारद्वाज और संदीप पाठक ने किया। यह बैठक लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली और पंजाब में दोनों पार्टियों के सीटों के बंटवारे पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी। दिल्ली में 7 लोकसभा सीटें हैं जबकि पंजाब में 13 सीटें हैं।

बैठक के बाद कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा कि जब इतना बड़ा गठबंधन बनता है, तब हर पार्टी को त्याग करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन सफल होता है तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगली बार सत्ता में नहीं लौटने वाले हैं। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। जब इतना बड़ा गठबंधन बनता है, तब सभी को समझौता करना पड़ता है, त्याग करना पड़ता है। कांग्रेस ने पहल की है और पूरे देश में अच्छा संदेश गया है और प्रक्रिया आगे बढ़ रही है...अगर गठबंधन सफल होता है, तब इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि पीएम मोदी अगली बार सरकार नहीं बना पाएंगे।

बैठक के बाद, कांग्रेस नेता वासनिक ने चर्चा को बहुत सार्थक बताकर कहा कि भविष्य में भी आप के साथ चर्चा होगी क्योंकि वह विपक्षी गठबंधन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मुलाकात बहुत सार्थक रही। सीटों के तालमेल को लेकर दोनों पार्टियों ने अपनी बात रखी। जल्द ही आम आदमी पार्टी के साथ सीटों का तालमेल हो जाएगा। आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन की एक महत्वपूर्ण और मजबूत पार्टी है। आगे आप से और भी चर्चा होगी।

'उनकी उम्र हो गई है, लेकिन अभी भी वह बच्चे हैं', राहुल गांधी की न्याय यात्रा पर किरण रिजिजू का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस 14 जनवरी से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करेगी। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होगी और मुंबई में समाप्त होगी। यह 6,713 किलोमीटर की दूरी तय करेगा, जिसमें 100 लोकसभा क्षेत्र और 337 विधानसभा क्षेत्र और 110 जिले शामिल होंगे। मार्च 20 या 21 मार्च को मुंबई में समाप्त होगा। इस यात्रा को कांग्रेस द्वारा पिछले साल कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही है।

भाजपा इस यात्रा को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साध रही है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि लोग उनकी न्याय यात्रा के बारे में क्यों बात कर रहे हैं। इसका हमारे लिए कोई मतलब नहीं है। हम जो कार्यक्रम कर रहे हैं, विकसित भारत संकल्प यात्रा, वह लोगों के लिए है। अगर वह अपने आनंद के लिए यात्रा करेंगे, तो कैसे करेंगे इससे लोगों को फायदा होता है?... उनकी यात्रा उनके मनोरंजन के लिए है, इससे किसी को फायदा नहीं होने वाला है। वह विवादास्पद बयान देते रहते हैं।

भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई लाभकारी काम नहीं किया है। वह परिपक्व नहीं हैं। वह अभी भी बच्चे हैं। उनकी उम्र हो गई है लेकिन उनके विचार अब भी बच्चों जैसे हैं... हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते हैं। कांग्रेस और वामपंथी उन्हें बढ़ावा देते हैं, लेकिन यह देश के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाएं देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा था कि पार्टी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' इसलिए निकाल रही है क्योंकि सरकार ने उसे संसद में लोगों के मुद्दे उठाने का मौका नहीं दिया और इस पहल का उद्देश्य संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों को फिर से स्थापित करना है।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में खरगे व सोनिया को निमंत्रण देने पर रामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक नाखुश

अयोध्या । श्रीरामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा है कि जो राम को नहीं मानते हैं और जो सनातन विरोधी हैं। उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण नहीं दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व सोनिया गांधी को निमंत्रण दिए जाने पर मुख्य अर्चक ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये वहीं लोग हैं जिन्होंने कभी राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। ऐसे सनातन विरोधियों को आमंत्रण देने की जरूरत नहीं है, ऐसे लोगों को आने की जरूरत नहीं है।

चुनाव से पहले पीएम मोदी करेंगे रैलियां, रोडशो के साथ देंगे जनता को सौगातें

-भाजपा ने शुरु की हर राज्य में तैयारी, 5 फरवरी से पहले होंगे दौरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के ऐलान से पहले पीएम मोदी हर राज्य में दौरा करने वाले हैं। पीएम वहां पर रैलियां करके रोड शो के साथ जनता को अनेक सौगातें भी देने वाले हैं। इस तरह से भाजपा देश की हर विधानसभा सीट तक पहुंचने की तैयारी में है। इस रणनीति के तहत खुद पीएम नरेंद्र मोदी पहुंचने वाले हैं। बता दें कि फिलहाल तो विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक की हर सीट पर कोई न कोई केंद्रीय मंत्री पहुंच रहा है। इस बीच ज्यादातर बड़े राज्यों का पीएम नरेंद्र मोदी 5 फरवरी से पहले कम से कम एक बार दौरा कर सकते हैं। तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप जैसे राज्यों में पहुंचकर पीएम नरेंद्र मोदी ने दक्षिण भारत से इसकी शुरुआत भी कर दी है। यूपी, गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार जैसे कुछ बड़े राज्यों में तो पीएम के कम से कम दो दौरे हो सकते हैं। इसके अलावा छोटे राज्यों में भी एक-एक दौरा करने का प्लान है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को ही पीएम नरेंद्र मोदी ने राजस्थान का भी दौरा किया था। वह 30 दिसंबर को यूपी के अयोध्या में रोड शो करके आ ही हैं और फिर 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचेंगे।

इस बीच यूपी में एकाध आयोजन और भी हो सकता है। पीएम मोदी ज्यादातर राज्यों में जनसभा के अलावा रोड शो भी कर सकते हैं। अकसर वह लंबे रोड शो करते रहे हैं और भाजपा के लिए यह रणनीति काफी कारगर रही है। ऐसे में एक बार फिर से पीएम नरेंद्र मोदी वह तरीका अपना सकते हैं। विधानसभा के चुनावों में भी पीएम नरेंद्र मोदी की अकसर यही प्रचार शैली रही है। वह चुनाव के ऐलान से पहले ही कई दौरे करते हैं और अहम परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन भी करते हैं। इससे चुनावी माहौल में जनता पर छाप छोड़ने में मदद मिलती है। पीएम इसी क्रम में दो दिनों के लिए 10 जनवरी से गुजरात दौरे पर होंगे। इस दौरान वह बाइब्रेंट गुजरात समिट में हिस्सा लेंगे। इसके बाद 12 जनवरी को उनका महाराष्ट्र जाने का प्लान है।

उधर नासिक में भी उनके रोड शो की तैयारियां हैं।वहां से अगले दिन यानी 13 जनवरी को वह झारखंड के धनबाद और बिहार के बेतिया में रहेंगे। इस बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और होम मिनिस्टर अमित शाह भी लगातार दौरे कर रहे हैं। हाल ही में दोनों नेता एक साथ बंगाल गए थे और वहां लोकसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया था। अमित शाह भी जनवरी महीने में 6 राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इनमें से एक जम्मू-कश्मीर भी प्रमुख होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

रामलला और अयोध्या मंदिरों की तस्वीरों वाली ७ फुट की विशाल पतंग आकर्षण का केंद्र

इस साल शहर के पतंग बाजार में नेता, अभिनेता नही मगर भगवान श्री राम और अयोध्या मंदिर के पतंगों की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरती हर साल मकर संक्रांति को बहुत खुशी और उत्साह के साथ मनाते हैं। पतंगबाज़ी करने वाले हमेशा अपने पसंदीदा विषय और सेलिब्रिटी की तस्वीरों वाली पतंगें खरीदना पसंद करते हैं। पिछले कुछ समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ समेत तमाम हस्तियों की तस्वीरवाली पतंग उड़ाती रही हैं। लेकिन इस बार अयोध्या राम जन्मभूमि पर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आनंद पतंगों पर भी नजर आ रहा है। सूरत में तैयार रामलला और अयोध्या मंदिर की फोटो वाली ७ फुट की विशाल पतंग लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इसे खरीदने के लिए लोग पहले से ही बुकिंग करा रहे हैं।

रामलला और अयोध्या मंदिरों की तस्वीरों वाली ७ फुट की विशाल पतंग

श्रीराम की छवि वाली पतंगों की लोकप्रियता बढ़ी अयोध्या में भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर चारों ओर चर्चाएं हो रही हैं। २२ जनवरी का इंतजार छोटे-बड़े सभी को है। मकर संक्रांति पर भी इस बार पतंगबाजों का प्रेम भगवान श्रीराम के प्रति अधिक देखने को मिल रहा है। इस बार पतंग पर राजनीतिक नेता या फिल्म जगत के अभिनेता नहीं बल्कि भगवान श्री राम नजर आ रहे हैं। पतंग बाजार में इस बार नजारा कुछ अलग है। भगवान श्रीराम की फोटो और अयोध्या मंदिर की छवि वाली पतंगों की बिक्री बढ़ गई है।

सूरत के डबगरवाड इलाके में पतंग बनाने वाले कारीगर ने कहा, हमने एक पतंग बनाई, जो ७ फीट बड़ी थी। इस पर भगवान श्री राम की फोटो तैयार की गई थी। इस पतंग की डिमांड इतनी बढ़ने लगी है कि महज तीन-चार दिन में ही ५० से ज्यादा पतंग बनाने का ऑर्डर मिल गया है। हमें आश्चर्य है कि इस तरह की मांग शुरू हो गई है।' हमारा और पतंग बनाने का कोई इरादा नहीं था। अब भी कई लोग फोन करके इस पतंग के लिए ऑर्डर देते हैं, लेकिन हम उन्हें साफ मना कर देते हैं। क्योंकि अब हमारे लिए इतनी बड़ी पतंग बनाना मुश्किल है। आगे बताया कि अब तक तीन फीट से लेकर सात फीट और दस फीट तक की पतंगें तैयार की जा चुकी हैं। इस पतंग की खास बात यह है कि पतंग पर जरी का काम किया गया है। जिसके चलते पतंगबाजी का चलन बढ़ गया है। जरी वर्क के कारण पतंग अधिक आकर्षक लग रही है। हमें भगवान श्री राम की छवियों के साथ पतंग बनाने में भी आनंद आता है। साथ ही हमें इस बात की भी बेहद खुशी है कि भगवान रामलला अयोध्या में विराजमान होने जा रहे हैं.'

विधायक हर्षभाई संघवी के जन्मदिवस पर जन उपयोगी शिविर का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के मजुर विधानसभा के विधायक एवं गृह राज्य मंत्री हर्षभाई संघवी के जन्मदिवस के अवसर पर घोड दौड रोड पुलिस चौकी के पास आदर्श पछात वर्ग सोसायटी में घनराज गेरेज के बगल में सूबह ९ से दोपहर १ बजे तक विभिन्न जन उपयोगी सेवाकीय शिविर का आयोजन किया गया।

अमित जयस्वाल माँ काली एज्युकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष ने कहा कि आज ८ जनवरी को विधायक हर्षभाई संघवी के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न ११ प्रकार की सेवाकीय प्रवृत्ति की गई। जिसमें मे मेगा रक्तदान शिविर में १५० से अधिक लोगों ने रक्तदान किया।१०१ विधवा बहनों को अनाज किट वितरण किया गया। इसकेअलावा आयुष्मान कार्ड, ई श्रम कार्ड, आय का प्रमाणपत्र लगभग ३०० लोगों को दिया गया। इसके अलावा वृध्द पेन्शन मोतियाबिंद का ओपरेशन आंख की जांच, खुन की जांच, पेशाब की जांच, पेट संबंधिक बिमारियों की जांच जैसी सेवाओं का लाभ दिया गया। यह आयोजन विधायक हर्ष संघवी के जन्मदिवस के अवसर पर हुआ। वोर्ड नं. २१ के पार्षद अशोक रांदेरिया, वृजेश उनडकट, डिंपल कापडिया, सुमन गडीया ,वोर्ड प्रमुख किर्ती काका धवलभाई सहित विभिन्न कार्यकर्ता कार्यक्रम में उपस्थित थे। लोगों ने कार्यक्रम का लाभ लिया और विधायक के जन्मदिवस पर जनसेवा कार्यक्रम करने के लिए आयोजकों के प्रति आभार जताया।

सूरत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा 'साइकिल से स्कूल' परियोजना का शुभारंभ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्मार्ट सिटीज मिशन, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) द्वारा देश के शहरों में गैर-मोटर चालित वाहनों को बढ़ावा देने और शहरों को सायकल फ्रेन्डली बनाने के हेतू से शुरू की गई 'इंडिया साइकिल फॉर चेंज' चुनौती के हिस्से के रूप में 'साइकिल टू वर्क', 'साइकिल टू स्कूल' जैसे विभिन्न अभियान का आयोजन किया गया।

जिसके तहत स्मार्ट सिटी मिशन, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (रूप-µ) द्वारा 'साइकिल टू स्कूल' परियोजना के तहत और सूरत द्वारा 'साइकिल टू स्कूल' परियोजना के तहत देश भर के १०० स्मार्ट शहरों में से केवल सूरत शहर को चुना गया है। नगर निगम और सूरत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की गई हैं।

सूरत नगर निगम और सूरत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा 'साइकिल से स्कूल' का पायलट प्रोजेक्ट अंतर्गत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति स्कूल नंबर-१६०, अग्रेसन भवन के पास, सिटी लाइट स्कूल चयनित किया गया।

स्कूल के आसपास के क्षेत्र में गैर-मोटर चालित वाहनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सायकल पर स्कूलों में आनेवाले बच्चों, साइकिल चालकों और पैदल चलने वालों की सुरक्षा को ध्यान में रखा गया है। सूरत सिटी पुलिस के समन्वय में विभिन्न बुनियादी ढांचागत विकास जैसे सुरक्षित लेन मार्किंग, रोड क्रॉसिंग मार्किंग, बोलार्ड, ट्रैफिक विनियमन साइनेज और ट्रैफिक जंक्शन री-डिज़ाइन आदि शुरूकिए गए हैं।

आज दिनांक ०८/०१/२०२४ को प्रात: नगर प्राथमिक शिक्षा समिति विद्यालय क्रमांक-१६०, अग्रेसन भवन के पास, सिटी लाइट रोड स्कूल ग्राउंड में महापौर दक्षेशभाई मावानी की उपस्थिति में 'साइकिल टू स्कूल' परियोजना का शुभारंभ किया गया।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा सूरत स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड के समन्वय से नगर प्राथमिक शिक्षा समिति स्कूल क्रमांक-१६० के कुल ६१ बच्चों को अग्रवाल विकास ट्रस्ट के गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधियों द्वारा साइकिलें प्रदान की गईं।

'साइकिल टू स्कूल' परियोजना के तहत, शहर के स्कूलों में भविष्य में जुड़े ट्रैफिक जंक्शनों और सड़कों पर सुरक्षित साइकिलिंग के लिए सुरक्षित बुनियादी ढांचे को डिजाइन बनाने की योजना बनाई गई है। साथ ही जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में साइकिलिंग पाठ्यक्रम भी शामिल किया गया है।

नीली बस के दरवाजे में महिला का हाथ फंसा तो चालक पूरी बस लेकर सिविल अस्पताल पहुंच गया

सरोजबहन का हाथ बस में चढते समय दरवाजे में फंस गया था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अठवागेट के पास नीली बस में चढ़ते समय एक महिला का हाथ बस के दरवाजे में फंस गया। जिससे महिला के हाथ में चोट लग गयी। नीली बस चालक यात्रियों से भरी बस के साथ महिला को उपचार के लिए न्यू सिविल अस्पताल लेकर आया।

न्यू सिविल अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, सरोजबेन चंदनभाई राठौड़ (४० वर्ष) डिंडोली इलाके में सीआर पाटिल रोड पर लक्ष्मीनारायण वार्ड-१ में अपने परिवार के साथ रहती हैं। सरोजबेन घर का काम करके परिवार की आर्थिक मदद करती हैं। रविवार शाम करीब ४ बजे पार्ले प्वाइंट पर अलग-अलग घरों में काम करने के बाद सरोजबेन एक अन्य महिला मित्र के साथ नीली बस से डिंडोली घर लौट रही थीं।

अठवागेट के पास नीली बस के दरवाजे में ४० वर्षीय सरोजबहन के बाएं हाथ की अंगुलियां फंस गई

सरोजबेन अठवागेट के पास बस से उतर गईं और दूसरी नीली बस संख्या २०४ जीजे-०५-बीएक्स-३५२२ में बैठीं, तभी सरोजबेन के बाएं हाथ की उंगलियां बस के दरवाजे में फंस गईं। तो बस ड्राइवर और अन्य यात्रियों ने बड़ी मुश्किल से सरोजबेन के हाथ की उंगलियों को दरवाजे से बाहर निकाला। साथ ही बस चालक यात्रियों से भरी बस लेकर सरोजबेन को उपचार के लिए न्यू सिविल अस्पताल छोड़ने आया। सरोजबेन का इलाज न्यू सिविल अस्पताल में कराया गया।

पूर्व उप महापौर के दोनों बेटों ने नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर लोगों को ठगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बीजेपी की पूर्व डिप्टी मेयर छाया भुवा के दो बेटों समेत ३ लोगों ने १९ लोगों को फर्जी कॉल लेटर दिया था। नगरनिगम और पुलिस में नौकरी दिलाने का सपना दिखाकर ४७.३८ लाख की रकम हड़प ली थी इस मामले में पुलिस शिकायत के बाद कार्यवाही हुई। नौकरी दिलाने के नाम पर दोनों बेटों ने लोगों से लाखो रूपये ऐंठकर शेयर बाजार में निवेश किया था। इसके साथ ही यह बात भी सामने आई है कि इन दोनों ने मुंबई-गोवा के बीयर बार और कैसिनो में जलसा कर लाखों की रकम उड़ाई है। इससे पहले २०१५ में सरथाणा पुलिसथाने में भी दोनों बेटों के खिलाफ इस तरह की धोखाधड़ी की शिकायत की गई थी। उस वक्त पूर्व डिप्टी मेयर ने संपत्ति बेचकर लोगों को पैसे दिये थे। फिलहाल उधना पुलिस ने तीनों जालसाजों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस तीनों को कोर्ट में पेश कर ५ दिन की रिमांड की मांग करेगी। पूर्व डिप्टी मेयर छाया भुवा का बेटा राहुल भुवा और भाई नीरव भुवा उधना सिलिकॉन शॉपर्स में किराए के कार्यालय से लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने का कारोबार करते थे। दोनों धोखेबाज प्रति व्यक्ति ५ लाख की रकम वसूलते थे। जिसमें नगर निगम या पुलिस में नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। सामने आ रहा है कि इस गिरोह ने सूरत और छोटा उदयपुर-राजकोट में रहने वाले सौराष्ट्र के युवाओं को समिति स्कूल, फायर ब्रिगेड, अकाउंट विभाग में नौकरी का सपना दिखाकर २ करोड़ से ज्यादा की रकम वसूली

पुलिस ने मुंह से सांस और सीपीआर देकर एक महिला की जान बचाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महिला पुलिस ने ऐंठन (मिरगी) से बेहोश हुई महिला का इलाज कराकर सराहनीय कार्य किया

कंगारू सर्किल के पास महिला पुलिस ने बचायी जान सूरत समेत पूरे राज्य में दिल के दौरे की बढ़ती घटनाओं के बाद सरकार ने सभी पुलिस कर्मियों और शिक्षकों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया है। अब यह बात सामने आ रही है कि यह ट्रेनिंग काम कर रही है। महिला को कंगारू सर्कल के पास से बचाया गया।

सूरत पुलिस का सराहनीय प्रदर्शन सामने आया है। ऐसे दृश्य थे जहां पुलिस को दिया गया सीपीआर प्रशिक्षण प्रभावी था। महिला पुलिस ने ऐंठन से बेहोश हुई महिला का इलाज कराकर सराहनीय कार्य किया। कंगारू सर्किल के पास रविवारी मार्केट में लेटी महिला को पुलिस अधिकारी के के ढोलिया ने मुंह से सांस देने के साथ सीपीआर दी।

महिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि खरीदारी करने आई बहन ऐंठन (मिरगी) के कारण गिर गई। हमें सीपीआर और मुंह से सांस देना सिखाया गया था। इसलिए महिला को सीपीआर देकर होश में लाया गया और तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।